सावन, मास , वर्ष-10, अंक 145, पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये

प्रयागराज गुरुवार 15 अगस्त, 2024

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित

Adhunik Samachar

नगर संस्करण

10 वर्ष विश्वास के

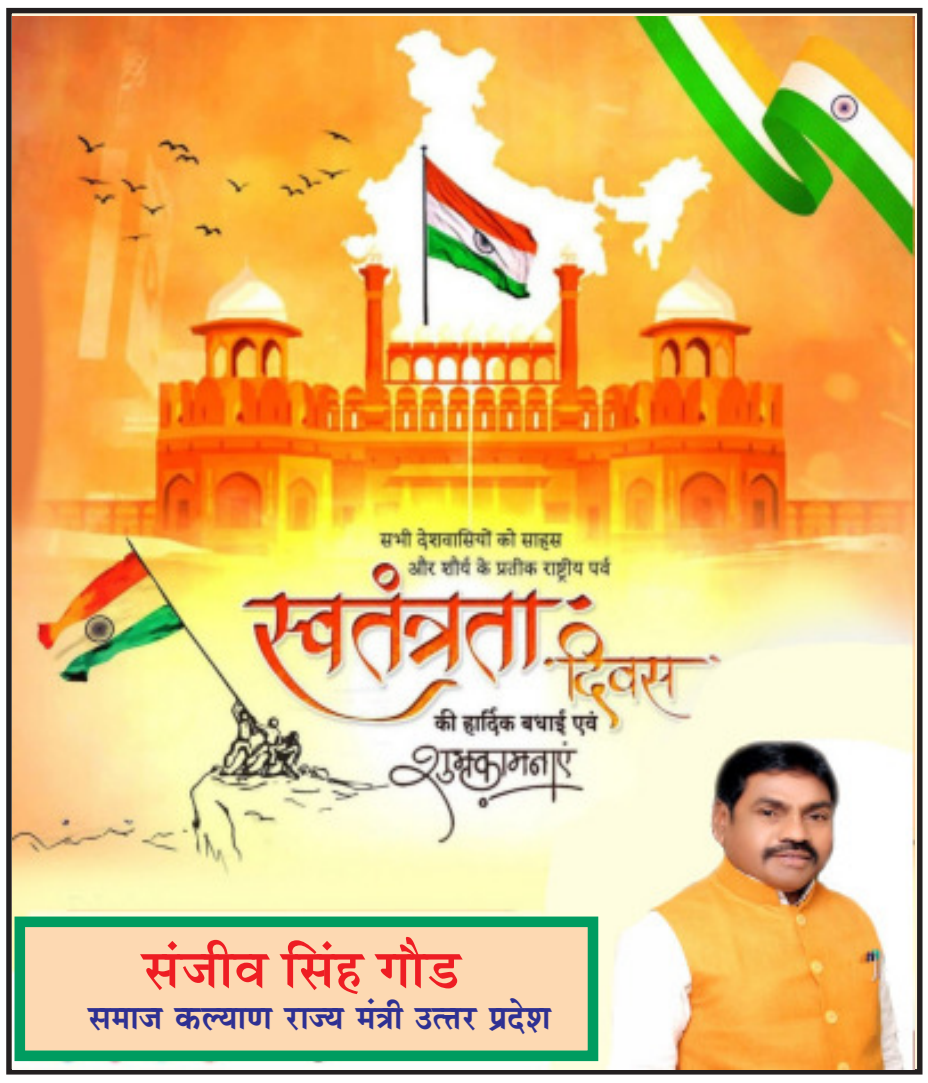

आई.टी.आई में सीधे प्रवेश

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन भारत सरकार द्वार मान्यता प्राप्त नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र प्रवेश कार्यालय का सिविल डिफेंस प्रयागराज के मंडल अधिकारी रौनक गुप्ता के द्वार किया गया प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने बताया कि प्रयागराज में न्यूनतम शुल्क मुझे प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। यहां इंडस्ट्रियल विजिट सेमिनार, ग्रुप डिस्कशन, आदि कराया जाता है जिसे प्रशिक्षणार्थियो का सर्वांगिन विकास होता है. केंद्र गुणवत्ता परिषद द्वारा स्टार ग्रेडिंग प्राप्त है. केंद्र के कंप्यूटर शिक्षक रोहित शुक्ल ने बताया कि सरकार द्वार छात्रवृत्ति एवं टैबलेट की सुविधा उपलब्ध है प्रशिक्षणार्थियो को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है. मुख्य अतिथि ने नवीन प्रवेशार्थियों का स्वागत एवं उज्जवल भविष्य की कामना की अंतरराष्ट्रीय स्तर का है प्रयागराज नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण के द्व-रौनक गुप्ता.इस अवसर पर निरीक्षक विजय पांडे, रोहित शुक्ला, सचिन श्रीवास्तव, मोहम्मद कौसर, प्रदीप जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहें।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र.के छात्र रेलवे में चयनित

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के चार छात्रों का सिकंदराबाद मे रेलवे में चयनित होने पर संस्थान परिवार ने बधाई दी है। प्रयागराज करछना तहसील के नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के चार छात्रों का रेलवे के धारा रेल प्रोजेक्ट सिकंदराबाद में चयन होने से विद्यालय प्रबंधतंत्र द्वारा छात्र का सम्मान एवं अभिनन्दन किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने इन छात्रों का समारोहपूर्वक अभिनंदन एवं सम्मान करते हुये कहा कि यह विद्यालय के लिये गौरव की बात है ।संस्थान के शिक्षक सदैव इस बात पर बल देते हैं कि छात्र अच्छा सीखे और अपने भविष्य को उज्ज्वल एवं सफल बनावें। उन्होंने भविष्य में और मेहनत व लगन से अध्यापन व अध्ययन करने हेतु शिक्षकों और छात्रों का आह्वान किया। इस अवसर पर केक काटकर केंद्र का स्थापना दिवस भी मनाया गया।

Admission Open 2024-25

श्री सत्यदेव दुबे (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भदोही

श्री सुजीत श्रीवास्तव (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नैनी, प्रयागराज

इं. अर्चना सरोज (ट्रेनिंग एवं पलेसमेन्ट, अधिकारी
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, खागा, फतेहपुर

- ★ C.O.P.A.
- ★ Fitter
- ★ Computer Teacher Training
- ★ Electrician
- ★ Fire Safety & Industrial Security
- ★ Repair of Refrigerator & A.C.
- ★ Welding Technology
- ★ Certificate in YOGA
- ★ Security Service
- ★ Computer Hardware& Maintenance

Naini ITC Honored by U.P. State Industrial Association

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: A seminar was organized by Uttar Pradesh State Industrial Association on Friday. In which Naini Industrial Training Center was honored with a citation by the association's president Arvind Rai for providing high quality skilled workers. Mohammad Kausar received the honor from the Centre. On this occasion, all the entrepreneurs of Prayagraj including Arinnd Rai Sheetal Plastics, Anat Chandra Ventura Private Limited, BLKHN Engineering Works, S Shukla, Overseas Food Agro Private Limited, union officials and all the industrialists were present.

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

भाजपा जनों द्वारा निकाली गई तिरंगा यात्रा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
अंदावा/सहसों। मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा स्वतंत्रता दिवस के पूर्व भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई तिरंगा यात्रा अंदावा से शुरू होकर तथा सहसों चौराहे पर छत्रपति साहू जी महराज की मूर्ति पर जिलाध्यक्ष गंगापार कविता पटेल व सांसद फूलपुर प्रवीण पटेल द्वारा माल्यार्पण कर समाप्त हुई मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष गंगापार कविता पटेल व सांसद फूलपुर प्रवीण पटेल ने संयुक्त रूप झंडी दिखाकर तिरंगा यात्रा की शुरुआत की डी जे के साथ निकली तिरंगा यात्रा में सैकड़ों मोटरसाइकिल व चार पहिया वाहन शामिल थे। तिरंगा यात्रा भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा जमकर देश भक्ति नारे लगाए गए। जिलाध्यक्ष गंगापार कविता पटेल ने कहा कि देश को आजादी दिलाने में हमारे कितने वीर शहीदों ने अपने जान की बाजी लगा दी उनके बलिदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। सांसद फूलपुर प्रवीण पटेल ने कहा कि आज हम जिस आजादी की हवा में सांस ले रहे हैं उसके लिए हमे बहुत सारी कुर्बानी देनी पड़ी है हमे इस बात को ध्यान में रखना चाहिए। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष किरन त्रिवेदी, अनिरुद्ध सिंह पटेल, जिला महामंत्री जीत लाल ।

स्पीकर ओम बिरला से मिले रौनक गुप्ता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। प्रयागराज सिविल डिफेन्स रेलवे सलाहकार बोर्ड सदस्य प्रयागराज के रौनक गुप्ता स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात कर दूसरी बार स्पीकर चुने जाने की बधाई दी । महाकुम्भ मेला 2025 में सिविल डिफेन्स की भूमिका पर विस्तार से बात की रेलवे द्वारा किए जा रहे विकास कार्य व सुझाव दिये कुम्भ मेले का आमंत्रण भी दिया ।

माफिया अतीक के बेटे असद का एनकाउंटर करने वाली एसटीएफ टीम को मिलेगा राष्ट्रपति वीरता पदक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। 13 अप्रैल को झांसी के बड़ागांव थानाक्षेत्र स्थित पारीछा बांध के पास एसटीएफ ने असद और गुलाम को मुठभेड़ में ढेर कर दिया था। दोनों के पास से अत्याधुनिक ब्रिटिश बुलडॉग रिवाल्वर और पी-88 वॉल्थर पिस्टल भी बरामद की गई थी। एनकाउंटर करने वाली एसटीएफ की टीम को राष्ट्रपति वीरता पुरस्कार से नवाजा जाएगा। उमेश पाल और उनके दो अंगरक्षकों की दिन दहाड़े गोली और बम मारकर हत्या करने वाले माफिया अतीक अहमद के बेटे असद अहमद और शूटर गुलाम हसन का एनकाउंटर करने वाली टीम को राष्ट्रपति वीरता पुरस्कार से नवाजा जाएगा। यह अवॉर्ड 15 अगस्त को राष्ट्रपति प्रदान करेंगी। एनकाउंटर का नेतृत्व प्रयागराज एसटीएफ के तत्कालीन डिप्टी एसपी नवेंदु सिंह ने किया था। नवेंदु सिंह को चौथी बार गैलेंट्री अवॉर्ड दिया जाएगा। इसके पहले तीन बार उन्हें और सम्मानित किया जा चुका है। असद और गुलाम का एनकाउंटर एसटीएफ ने झांसी में किया था। टीम में कुल 17 लोग शामिल थे। इन सभी सदस्यों को गैलेंट्री अवॉर्ड प्रदान किया जाएगा। काफी समय बाद यूपी पुलिस को यह अवॉर्ड मिलने जा रहा है। बता दें कि 13 अप्रैल को झांसी के बड़ागांव थानाक्षेत्र स्थित पारीछा बांध के पास एसटीएफ ने असद और गुलाम को मुठभेड़ में ढेर कर दिया था। दोनों के पास से अत्याधुनिक ब्रिटिश बुलडॉग रिवाल्वर और पी-88 वॉल्थर पिस्टल भी बरामद की गई थी।

कोर्ट के आदेश पर पूर्व पार्षद नंदलाल निषाद नंदा उसके बेटे राहुल निषाद समेत 8 पर हत्या का मामला दर्ज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। यूपी के प्रदेश स्तर के नेता ,पूर्व वरिष्ठ पार्षद नंद लाल निषाद और बेटे राहुल निषाद समेत 8 लोगो के खिलाफ झूसी थाने में हत्या मामले में मुकदमा दर्ज हुआ है।झूसी की रहने वाली विमला देवी ने पूर्व पार्षद नंदलाल निषाद उर्फ नंदा पर उसके बेटे सुजीत की हत्या करने का आरोप लगाया है। विमला देवी का कहना है करेला बाग की एक जमीन को लेकर नंदा से कोर्ट में कैसे चल रहा था जिसकी पर भी उसका बेटा सुजीत करता था और उसका बेटा 26 8 2022 को गायब हो गया था और 27 8 2022 को उनके पास आफ रामबाग से फोन आया कि तुम्हारे बेटे का कटका रेलवे फाटक के पास शव पड़ा मिला और जब हम लोग वहां पहुंचे तो सबको देखकर लगा कि उसकी हत्या हुई है वही एक दिन पोस्टमार्टम में लगा और जब विमला देवी झूसी थाने गई तो उन्हें वहां से रेलवे पुलिस का मामला बात कर भेज दिया गया और रेलवे पुलिस ने सादे कागज पर उनसे कोई कार्रवाई न करने का लिखवाया ऐसा भी मिलाओ देवी का आरोप है फिलहाल कोई कार्रवाई न होने के कारण व न्यायालय की शरण में गई और न्यायालय ने 156 3 के तहत पूर्व पार्षद नंदा व उसके अन्य साथियों पर मामला दर्ज करने के लिए निर्देश दिया इसके बाद अब पूर्व पार्षद नंदलाल निषाद उर्फ नंदा और उसके बेटे राहुल निषाद समेत आठ लोग पर हत्या के मामले में एफआईआर दर्ज हो गई है देखना होगा कि पुलिस इन पर आगे किस तरह की कार्रवाई करती है

प्रसार निदेशालय शुआट्स प्रयागराज मे मिर्जापुर द्वारा प्रायोजित सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन योजनान्तर्गत पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रसार निदेशालय मे समम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। प्रसार निदेशालय शुआट्स प्रयागराज मे उप कृषि निदेशक प्रसार, मिर्जापुर द्वारा प्रायोजित सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) योजनान्तर्गत पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय समूह का जो प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 10.08.2024 से आरंभ हुआ था, का समापन दिनांक 14.08.2024 को प्रसार निदेशालय मे समम्पन्न हुआ। समापन अवसर पर निदेशक प्रसार डा0 प्रवीन चरन ने कृषकों को बताया कि चोती के साथ-साथ कृषि वानिकी का प्रयोग करने से कृषकों को अतिरिक्त आय हो सकती है उन्होनें कहा कि यदि कोई की भूमि में खेती मे कृषि वानिकी के सिद्धान्तों का अनुपालन करे तो उसे वानिकी के साथ-साथ बीच की भूमि मे खेती करने का भी अवसर प्राप्त हो सकता है जिसमें किसान औषधीय फसलों, हल्दी सरसों तुलसी एवं फलों तथा सब्जियों की खेती करके अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डा0 विश्वरुप मेहरा ने कृषकों को सबोधित करते हुए बताया कि विगत् कुछ वर्षो से रासायनिक उर्वरकों की आसानी से उपलब्धता के कारण किसानों ने देशी खाद जैसे कम्पोस्ट एवं हरी खाद का प्रयोग करना लगभग बन्द कर दिया है जिससे भूमि मे कार्बनिक पदार्थो की उपलब्धता कम हो गयी है एवं इसी कारण रासायनिक उर्वरक भी भूमि मे तत्वों की उपलब्धता में अपना सम्पूर्ण योगदान नही कर पा रहे है इसी कारण प्रचुर मात्रा में रासायनिक उर्वरको को प्रयोग के उपरांत भी कृषकों की उत्पादकता में वृद्धि नही हो पा रही है। रासायनिक उर्वरक भी तभी काम करते है जब भूमि मे कार्बनिक पदार्थो की उपलब्धता प्रचुर मात्रा में हो। अतः किसानों को चाहिए की चुती मे कम्पोस्ट खाद, नाडेप कम्पोस्ट वमी काम्पोस्ट इत्यादि का प्रचुर मात्रा में प्रयोग करें जिससे भूमि मे कार्बनिक पदार्थो की आपूर्ति हो सके। उन्होनें कृषकों को पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यकम मे प्रतिभाग करने के लिए बाधाई दी व उनके उज्जवल भविष्य की कामना की । उन्होने प्रशिक्षण में प्रतिभागी कृषकों को प्रमाण-पत्र एवं प्रशिक्षण साहित्य प्रदान किया। समापन कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो0 डा0 रामचन्दर उप निदेशक डा0 अमीश जॉन स्टीफन, सयुक्त निदेशक प्रसार प्रो0 डा0 ए0के0 चौरसिया, डा0 सरवेन्द्र कुमार, डा0 शैलेन्द्र कुमार सिंह, डा0 टी0डी0 मिश्रा आदि उपस्थित थे। डा0 ए0के0 चौरसिया ने किसानों को बीज उत्पादन तकनीक पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षण समन्वयक डा0 मदन सेन सिंह ने किसानो को कम लागत में अधिक उत्पादन कैसे प्राप्त करें के बारे में विस्तृत जानकारी दी । प्रशिक्षण कार्यकम के अंतिम दिवस पर डा0 योगेश चन्द श्रीवास्तव ने कृषकों को मृदा स्वास्थ्य प्रबधन पर विस्तृत जानकारी दी एवं डा0 मनीष कुमार केसरवानी ने कृषकों को मूल्य संवर्द्धन एवं प्रसंस्करण की विभिन्न तकनीकियों से परिचित कराया। प्रशिक्षण समन्वयक डा0 मदन सेन सिंह के द्वारा मुख्य अतिथि एवं कृषकों को धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

आधुनिक
गेस्ट हाउस
• वाटर प्रूफ शेड
• पार्किंग की सुविधा
• मन्दिर की सुविधा
• सी.सी.टीवी.
• छोटे-बड़े कार्यक्रमों के अलग-अलग रेट
• 45000 sq. feet. एरिया
• हरे-भरे वातावरण
• AC कमरा (VIP)

CALL: 9519313894,9415608783, 9415608710
आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस, यूपीएसआईडीसी, रेमण्ड रोड, औधोगिक थाने के पीछे भारत पेट्रोलियम के पहले, औधोगिक क्षेत्र, नैनी, प्रयागराज

DURGAWATI INTERNATIONAL SCHOOL & COLLEGE
URGENT REQUIREMENT
TRAINED & EXPERIENCED TEACHERS
FOR CLASSES VI to XII
SUBJECTS - ENGLISH, MATHS, S.ST , SCIENCE & COMPUTER
RESIDENCE FACILITY ALSO AVAILABLE FOR TEACHERS
Walk in Interview on 23-06-2024
Interested Candidates can send their Resume on the given contacts
Candidate should hold fluent English Communication Skill along with the qualified degrees
For more details Contact on:
7505561664, 9415017879

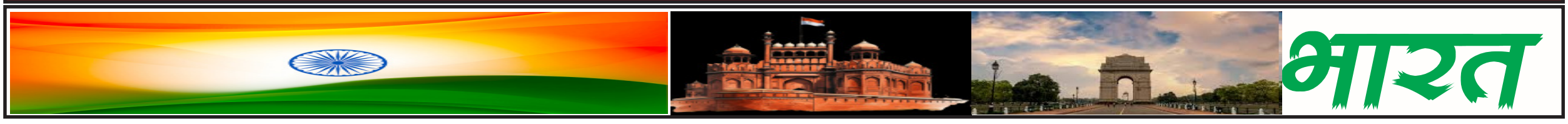

संक्षिप्त समाचार

विदेशी निवेशकों ने इक्विटी से निकाले 24,734 करोड़, एफपीआई ने डेट बाजारों में 17,120 करोड़ रुपये का किया निवेश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अमेरिका में बॉन्ड यील्ड में वृद्धि के चलते विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआइ) की घरेलू इक्विटी बाजारों से लगातार निकासी जारी है।

डिपाजिटरी के डाटा के अनुसार, 25 जनवरी तक एफपीआइ इक्विटी बाजारों से 24,734 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। इसके विपरीत, इस अवधि में एफपीआइ ने डेट बाजारों में 17,120 करोड़ रुपये का निवेश किया है। एफपीआइ ने इससे पहले दिसंबर में 66,134 करोड़ और नवंबर में नौ हजार करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार का कहना है कि अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में वृद्धि चिंता का विषय है। इससे नकदी बाजार में बिकवाली का हालिया दौर शुरू हो गया है। डिपाजिटरी के डाटा के अनुसार 25 जनवरी तक एफपीआइ इक्विटी बाजारों से 24734 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। इसके विपरीत इस अवधि में एफपीआइ ने डेट बाजारों में 17120 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

बांग्लादेश के चुनाव में हिंदुओं की भूमिका को लेकर यूएन चीफ की खास अपील

न्यूयॉर्क। बांग्लादेश में मोहम्द यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन हो चुका है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बांग्लादेश में संसदीय चुनाव कराने का आह्वान किया है। उन्होंने अंतरिम सरकार से समावेशी होने के लिए

हर संभव कोशिश करने का आग्रह किया है संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने साथ ही चुनाव प्रक्रिया में महिलाओं के साथ-साथ अल्पसंख्यक समुदायों को भी शामिल करने का आग्रह किया है। बता दें कि एंटोनियो गुटेरेस का यह बयान ऐसे समय में आया है जब बांग्लादेश में उपजी अस्थिरता के लिए अमेरिका पर सवाल उठाए जा रहे हैं।संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से आने वाले हफ्तों में समावेशी होने के लिए हर संभव प्रयास जारी रखने का आग्रह किया है।

अभी भी जारी रहेगी डॉक्टरों की हड़ताल कई राज्यों में चिकित्सा सेवाएं प्रभावित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कोलकाता में डाक्टर के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या के विरोध में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश,

झारखंड, बिहार, उत्तराखंड व महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में रेजीडेंट डाक्टर हड़ताल पर हैं। इससे बड़े अस्पतालों में मरीजों को समस्या का सामना करना पड़ा। फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डाक्टर्स एसोसिएशन (फोर्डा) इंडिया ने जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद अपनी हड़ताल वापस ले ली वहीं, फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन ने बताया कि वह आज (बुधवार) को भी हड़ताल पर रहेंगे। फाइमा डॉक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. रोहन कृष्णन ने कहा कि हमें खबर मिली है कि रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के एक संगठन ने हड़ताल वापस ले ली है। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन डॉक्टर्स एसोसिएशन कल हड़ताल पर है। हम कल भी हड़ताल जारी रखेंगे क्योंकि हमारी केवल एक मांग पूरी हुई है, मामला सीबीआई को देने की। यह उच्च न्यायालय द्वारा किया गया था। हमें राज्य सरकार या केंद्र सरकार से ज्यादा सहयोग नहीं मिला है। आगे कहा कि हम स्वास्थ्य कर्मियों के लिए एक केंद्रीय सुरक्षा अधिनियम चाहते हैं और हम उस पर कुछ ठोस चाहते हैं। मैं स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह से अनुरोध करता हूं कि वे हमें कुछ ठोस दें ताकि भविष्य में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर के साथ ऐसा कुछ न हो, यह समय का चरम है। साथ ही कहा कि हमने पूरे भारत में 60 से अधिक मेडिकल कॉलेजों आरडीए के साथ अपने लगभग सभी संबद्ध आरडीए के साथ बैठक की। हमने फैसला किया है कि हम हड़ताल जारी रखेंगे. हम ओपीडी और वैकल्पिक ओटी नहीं करेंगे। हालाँकि, आपातकालीन कार्य जारी रहेंगे। जब तक हमें राज्य सरकार से और केंद्र सरकार से सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट के बारे में उचित ठोस बात नहीं मिल जाती, हम यह हड़ताल बंद नहीं करेंगे।मंगलवार को एम्स, सफदरजंग, आरएमएल, लोकनायक, जीबी पंत सहित 18 से अधिक अस्पतालों में रेजिडेंट डाक्टर हड़ताल पर रहे। अस्पतालों में ओपीडी सेवा 50 से 70 प्रतिशत तक प्रभावित रही। नियमित सर्जरी पूरी तरह ठप रही। दिल्ली के एम्स, सफदरजंग, आरएमएल व जीबी पंत अस्पताल में लैब सेवा भी प्रभावित रही। मरीजों को सर्जरी, लैब जैसी सेवाओं के लिए भी दिनभर भटकना पड़ा डॉक्टरों ने पैदल मार्च कर विरोध-प्रदर्शन किया।

राष्ट्रीय राजमार्गों पर ब्लैक स्पॉट के साथ चिह्नित होंगे व्हाइट कॉरिडोर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। देश में नेशनल हाईवे और एक्सप्रेस-वे का नेटवर्क बड़ा होता जा रहा है, इसके साथ ही तेज गति के कारण होने वाले हादसों और उनसे होने वाली मौतों की चुनौतियां भी बढ़ती जा रही हैं। इन हादसों की रोकथाम के

लिए ब्लैक स्पॉट चिह्नित कर उनके सुधार की वर्षों से चली आ रही प्रक्रिया के साथ ही सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय नए प्रयासों के तहत अपनी कवायद को आगे बढ़ाने की तैयारी में है मंत्रालय देशभर में फैले राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) नेटवर्क के उस हिस्से को भी व्हाइट कॉरिडोर के रूप में चिह्नित कर रहा है, जहां तीन वर्ष में एक भी सड़क हादसा नहीं हुआ। ऐसे हिस्से को चिह्नित कर अधिकाधिक संसाधन और परिश्रम ब्लैक स्पॉट पर खर्च करने का विचार है ताकि उन्हें सुरक्षित बनाया जा सके। देश में इस वक्त लगभग एक लाख 46 हजार किलोमीटर का नेशनल हाईवे नेटवर्क है। सरकार तेजी से एक्सप्रेस-वे और हाईस्पीड कारिडोर विकसित करने में भी जुटी है। एनएच नेटवर्क 2014 में 91,287 किलोमीटर था जोकि 2024 में 60 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,46,145 किलोमीटर हो गया। फोरलेन या उससे अधिक के राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई 18,371 किलोमीटर से 2.6 गुणा बढ़कर 48,522 किलोमीटर हो गई, जबकि राष्ट्रीय राजमार्ग के हाईस्पीड कारिडोर की लंबाई 2014 में 93 किलोमीटर थी और 2024 में 2138 किलोमीटर हो चुकी है। विकास की इस रफ्तार के साथ हादसों पर न लगने वाली रोकथाम बहुत बड़ी चिंता है।

जेपी नड्डा से मिलने के बाद फोर्डा ने वापस ली हड़ताल, कहा- मान ली गई सारी मांगें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कोलकाता में डाक्टर के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या के विरोध में फेडरेशन आफ रेजिडेंट डाक्टर्स

एसोसिएशन (फोर्डा) इंडिया के आह्वान पर जारी हड़ताल वापस ले ली गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद फोर्डा के प्रतिनिधिमंडल ने देर शाम यह घोषणा की। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कहा कि मरीजों की परेशानियों को देखते हुए बुधवार सुबह से डाक्टर काम पर लौट आएंगे। इसके पहले मंगलवार को दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में डाक्टरों की हड़ताल के कारण मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। फोर्डा के अध्यक्ष डा. अविरल माथुर ने बताया कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने सभी मांगे पूरी करने का आश्वासन दिया। सेंटर हेल्थकेयर प्रोटेक्शन एक्ट बनाने के लिए केंद्र सरकार 15 दिन में एक कमेटी गठित करेगी। जिसमें फोर्डा के पदाधिकारी शामिल होंगे। सुबह दिल्ली सरकार के अस्पतालों में डाक्टर ड्यूटी पर लौट सकते हैं। लेकिन एम्स और सफदरजंग अस्पताल के आरडीए ने हड़ताल वापस नहीं ली है। एम्स, सफदरजंग में हड़ताल रहेगी। उधर, एम्स आरडीए के अध्यक्ष डा इंद्र शेखर का कहना है कि सेंट्रल हेल्थकेयर प्रोटेक्शन एक्ट के लिए पहले भी आश्वासन मिला था लेकिन बात आश्वासन से आगे नहीं बढ़ी। सरकार गारंटी दे और सेंट्रल हेल्थकेयर प्रोटेक्शन बिल संसद में लाकर पास कराकर कानून बनाने की समय सीमा निर्धारित करें तब हड़ताल वापस ली जाएगी।

पीएम मोदी की बीजेपी पदाधिकारियों के साथ 17 अगस्त को मीटिंग नए अध्यक्ष पर होगा मंथन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 अगस्त को देशभर के भाजपा पदाधिकारियों के साथ बैठक

करेंगे। इसमें सदस्यता अभियान और जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने पर चर्चा होगी। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी के साथ-साथ गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद रहेंगे। बैठक के बाद सितंबर से पार्टी का सदस्यता अभियान शुरू हो सकता है। उसके बाद राज्यों में पार्टी के सांगठनिक चुनावों की प्रक्रिया शुरू होगी और जनवरी में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, संगठनात्मक चुनाव पूरा होने तक जेपी नड्डा राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यभार संभाले रह सकते हैं।दरअसल पार्टी इस बार कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर जल्दबाजी में फैसला नहीं लेना चाहती और राष्ट्रीय अध्यक्ष को संगठन चुनाव की प्रक्रिया के माध्यम से लाने के पक्ष में है। माना जा रहा है कि आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले और भाजपा के प्रभारी अरुण कुमार के साथ भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की बैठक में सांगठनिक बदलावों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई रविवार को राजनाथ सिंह के घर हुई बैठक में अमित शाह, जेपी नड्डा के साथ-साथ संगठन महामंत्री बीएल संतोष भी मौजूद थे। 31 अगस्त से दो सितंबर तक केरल में आरएसएस के आनुषांगिक संगठनों के प्रमुखों की समन्वय बैठक के पहले आरएसएस और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की बैठक को अहम माना जा रहा है। लोकसभा चुनाव में अपेक्षाकृत परिणाम नहीं मिलने के पीछे आरएसएस और भाजपा के बीच समन्वय की कमी को बड़ी वजह माना जा रहा है। जाहिर है भाजपा और आरएसएस दोनों ओर से अब समन्वय पर जोर दिया जा रहा है।

सड़क पर ट्रैफिक, बस ड्राइवर ने अचानक खोया कंट्रोल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

बेंगलुरु। बेंगलुरु में एक सड़क हादसे का वीडियो इंटरनेट पर काफी

तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल, सोमवार को एक बस चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और कई बाइकों और कारों को टक्कर मार दी। इस हादसे में कम से कम दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना का वीडियो बस के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। यह हादसा बेंगलुरू में हेब्बल फ्लाईओवर के पास हुई है। वीडियो में एक व्यक्ति वोल्वो बस चलाते हुए नजर आ रहा है, जिसका एक हाथ स्टीयरिंग व्हील पर है। आगे ट्रैफिक होता है और थोड़ी देर में ही वह अपना नियंत्रण खो देता है और बस आगे की ओर भागने लग जाती है। कुछ सेकंड बाद ही, वह कम से कम चार कारों और पांच दोपहिया वाहनों से टकरा जाता है। चालक इस दौरान ब्रेक लगाने की भी कोशिश करता है। बेंगलुरु में एक बस चालक के अपने वाहन से नियंत्रण खो जाने से बड़ा हादसा हो गया। घटना का वीडियो बस के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। यह हादसा बेंगलुरू में हेब्बल फ्लाईओवर के पास हुई है। कई बाइकों और कारों से जोरदार टक्कर होने के कारण हादसे में 2 लोग घायल हो गए।आखिरकार बस करीब 10 सेकंड बाद रुकी। वीडियो में बस कंडक्टर को ड्राइवर की सीट पर भागते हुए और इशारे से पूछते हुए भी देखा जा सकता है कि वह ब्रेक क्यों नहीं लगा रहा है। इस हादसे में बस का विंडशील्ड भी टूट गया था। अधिकारियों ने कहा कि घटना की आगे की जांच चल रही है।

वायनाड में कैसे आई आपदा पांच सदस्यीय टीम करेगी भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों की जांच

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वायनाड। केरल में पिछले दिनों हुए भूस्खलन की जांच के लिए पांच सदस्यीय टीम का गठन किया गया

है। टीम का नेतृत्व राष्ट्रीय भूविज्ञान केंद्र के वरिष्ठ विज्ञानी जान मथाई करेंगे। टीम के सदस्य वायनाड भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों दौरा कर सैकड़ों लोगों की जान लेने वाली आपदा के कारणों का आकलन करेंगे। वहीं, राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि प्रधानमंत्री के आश्वासन के मद्देनजर राज्य सरकार को पुनर्वास योजना बनानी होगी। केरल में पिछले दिनों हुए भूस्खलन ने तबाही मचा दी है। भूस्खलन की जांच के लिए पांच सदस्यीय टीम का गठन किया गया है। टीम का नेतृत्व राष्ट्रीय भूविज्ञान केंद्र के वरिष्ठ विज्ञानी जान मथाई करेंगे। टीम के सदस्य वायनाड भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों दौरा कर सैकड़ों लोगों की जान लेने वाली आपदा के कारणों का आकलन करेंगे। बता दें कि लापता लोगों की तलाश 15वें दिन भी जारी रही। लापता लोगों की तलाश 15वें दिन भी जारी रही। टीम आपदा क्षेत्र के विभिनन हिस्सों और आसपास के स्थलों में संभावित खतरों का आकलन करेगी। इसमें आपदा कैसे आई और भूस्खलन क्यों हुआ, इसका पता लगाने का भी प्रयास किया जाएगा। निरीक्षण के बाद विशेषज्ञ दल अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगा और क्षेत्र के लिए उपयुक्त भूमि उपयोग की सिफारिश भी करेगा। इस विशेषज्ञ दल के अन्य सदस्य जल संबंधित आपदा प्रबंधन उत्कृष्टता केंद्र (सीडब्लूयूआरएम) के प्रधान विज्ञानी और प्रमुख डा टीके , सुरथकल एनआइटी के सहायक प्रोफेसर डा श्रीवालसा कोलाथयार, जिला मृदा संरक्षण अधिकारी तारा मनोहरन और केरल आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के खतरा एवं जोखिम विश्लेषक पी प्रदीप हैं। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आश्वासन दिया है कि वायनाड जिले में भूस्खलन से प्रभावित लोगों के पुनर्वास में संसाधनों की कमी सामने नहीं आएगी। अब इसके लिए विस्तृत योजना तैयार करना राज्य सरकार का काम है। उन्होंने यह भी बताया कि पीड़ितों के लिए देश भर से मदद आ रही है।

जो भी अमेरिकी चुनाव जीतेगा', राष्ट्रपति चुनाव पर क्या बोले विदेश मंत्री जयशंकर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अमेरिका में जैसे-जैसे राष्ट्रपति चुनाव का समय नजदीक आ रहा है, उसके साथ माहौल और दिलचस्प होता जा रहा है। अब अमेरिकी राष्ट्रपति को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर का बयान सामने आया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को इस बात पर जोर दिया कि भारत संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के साथ काम करने में सक्षम होगा, चाहे वह कोई भी हो आगामी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों के बारे में बात करते हुए, जयशंकर ने कहा कि अमेरिकी प्रणाली अपना फैसला देगी, और भारत को विश्वास है कि चाहे जिसकी भी सरकार हो, वह उसके साथ काम करेगा। विदेश मंत्री राष्ट्रीय राजधानी में इंडियास्पोरा की इम्पैक्ट रिपोर्ट के लॉन्च के

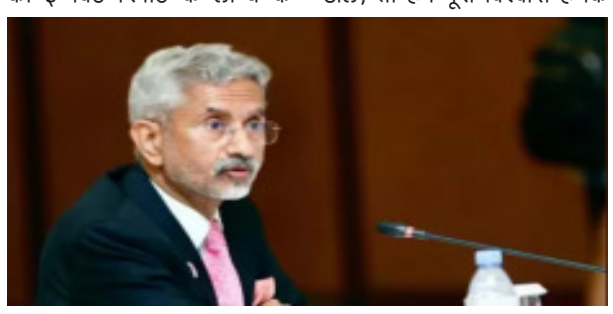

अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा, 'आम तौर पर, हम अन्य लोगों के चुनावों पर टिप्पणी नहीं करते हैं क्योंकि हम यह भी आशा करते हैं कि अन्य लोग हमारे बारे में टिप्पणी न करें। अमेरिकी प्रणाली अपना फैसला सुना देगी। लेकिन अगर आप पिछले 20 वर्षों पर नजर डालें, तो हमें पूरा विश्वास है कि हम संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के साथ काम करने में सक्षम होंगे, चाहे वह कोई भी हो। इसके अलावा, वह आज दुनिया को कैसे देखते हैं, इसका जवाब देते हुए, जयशंकर ने कहा कि आज, हम एक असाधारण कठिन दौर से गुजर रहे हैं, जो यूक्रेन और इजरायल में चल रहे संघर्षों को रेखांकित करता है। उन्होंने ये भी कहा कि यह अगले पांच सालों के लिए बहुत गंभीर पूर्वानुमान होगा।जयशंकर ने आगे कहा, आपके पास वह है जो आप मध्य पूर्व में घटित होते हुए देख रहे हैं, आप जो यूक्रेन में घटित होते हुए देख रहे हैं, जो आप दक्षिण पूर्व एशिया, पूर्वी एशिया में घटित होते हुए देख रहे हैं, कोविड का निरंतर प्रभाव जिसे हममें से जो लोग इससे बाहर आए हैं, वे हल्के में लेते हैं, लेकिन कई लोग इससे बाहर नहीं आ पाए हैं। आगे दुनिया भर में आर्थिक चुनौतियों का जिक्र करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि आज कई देश संघर्ष कर रहे हैं।

अमेरिका में बदनाम है हिंडनबर्ग', हरीश साल्वे ने की अमेरिकी शॉर्ट सेलिंग फर्म के खिलाफ कार्रवाई की मांग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अमेरिकी शॉर्ट सेलिंग फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने हाल ही में

सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच पर गंभीर आरोप लगाए, जिसके बाद से ही हिंडनबर्ग भारत में एक बार फिर से चर्चा में आ गया। वहीं, अमेरिकी शॉर्ट-सेलर कंपनी पर जाने-माने कानूनी विशेषज्ञ और वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि हिंडनबर्ग भारत का मजाक उड़ा रहा है। साल्वे ने कहा कि अगर हिंडनबर्ग रिसर्च जैसे संगठनों पर लगाम नहीं लगाई गई तो इस तरह के संगठन एक दिन देश की न्यायपालिका पर सवाल उठाएंगे। उन्होंने कहा कि हिंडनबर्ग रिसर्च अमेरिका में बदनाम है। हालांकि, भारत में कई लोग इस पर भरोसा कर रहे है और इसकी रिपोर्ट को विश्वसनीयता मान रहे है उन्होंने कहा कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को कोई भी देश महत्व नहीं देता है। सभी इसके रिपोर्ट को कूड़े के ढेर के समान मानते हैं। हालांकि, भारत में यह सेबी को धमकाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने इस मामले पर विपक्ष की जमकर आलोचना की है। हरीश साल्वे ने कहा कि राजनीतिक नेताओं का एक वर्ग हिंडेनबर्ग को गंभीरता से ले रहा है, जो कि शर्मनाक है पूर्व सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि भारत में किसी भी संस्थान पर लोग बेबुनियाद आरोप लगाते हैं और बच भी जाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह संस्थान भारत का मजाक उड़ा रहा है।

आईएमएस में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) नोएडा में हर घर तिरंगा एवं काकोरी ट्रेन एक्शन पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। बुधवार को सेक्टर 62 स्थित संस्थान परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जनसंचार के छात्रों ने आजादी के महानायकों को याद करते हुए अपने-अपने विचार व्यक्त किए। वहीं कार्यक्रम के दौरान छात्रों को फिल्म दिखाकर काकोरी ट्रेन एक्शन विषय पर विस्तृत जानकारी दी गयी। बुधवार को छात्रों को संबोधित करते हुए आईएमएस की महानिदेशक प्रो. (डॉ.) विकास धवन ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान हमारे लिए अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर देश के प्रति अपना प्यार और सम्मान दिखाने का एक तरीका है। यह हमें न केवल अपने अपने देश के इतिहास को याद दिलाता है बल्कि एक राष्ट्र के रूप में हमें एक दूसरे के करीब लाता है। आईएमएस नोएडा के छात्रों के साथ-साथ सभी देशवासी देशभक्ति की भावना से प्रेरित होकर अपने घरों में गर्व से झंडा फहराएं एवं देश के प्रति अपना प्यार दिखाएं संस्थान द्वारा आयोजित आज के कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सचिन बत्रा ने बताया कि आज का कार्यक्रम युवाओं में देशभक्ति, राष्ट्रीयता और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए आयोजित हुआ। हर घर तिरंगा अभियान से छात्रों को घर पर तिरंगा फहराने की परंपरा को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और गर्व की भावना का संचार करना है। उन्होंने कहा कि ठकाकोरी ट्रेन एक्शनठ भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक प्रमुख घटना है, जिसने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ संघर्ष में नई ऊर्जा भर दी थी।

सोना चमका और चांदी के दाम रहे स्थिर, क्या हैं गोल्ड-सिल्वर के लेटेस्ट प्राइस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार से मजबूत संकेतों और घरेलू मांग में वृद्धि के बीच मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 500 रुपये बढ़कर 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। वहीं, मंगलवार को चांदी की कीमत 83,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रही। पिछले सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला गोल्ड सोमवार को 72,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार मंगलवार को चांदी की कीमत 83,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रही। इस बीच, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी पिछले बंद के मुकाबले 500 रुपये बढ़कर 72,500 रुपये प्रति 10 ग्राम

हो गया। पिछले सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला गोल्ड सोमवार को 72350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार मंगलवार को चांदी की कीमत 83500 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रही। ने सोने की कीमतों में तेजी का श्रेय रिटेल सेल के साथ-साथ आभूषण विक्रेताओं की बढ़ती मांग को दिया। विदेशी बाजार में सोना 1.30 डॉलर प्रति औंस की तेजी के साथ 2,502.70 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। कोटक सिक्योरिटीज में कमोडिटी रिसर्च की एवीपी कायनात चैनवाला के अनुसार, मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव, अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में गिरावट और 18 सितंबर की बैठक में अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों के कारण कॉमेक्स सोना सोमवार को 1.2 प्रतिशत बढ़कर 2504 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में चांदी 27.81 डॉलर प्रति औंस पर कम बोली गई। व्यापारियों कॉमेक्स सोना सोमवार को 1.2 प्रतिशत बढ़कर 2,504 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में चांदी 27.81 डॉलर प्रति औंस पर कम बोली गई। एक्सपर्ट ने क्या कहा एचडीएफसी सिक्योरिटीज में कमोडिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा कि इसके अलावा, इस बात की चिंता थी कि ईरान इस सप्ताह की शुरुआत में इजरायल पर हमला कर सकता है, जिससे सोने के सुरक्षित-संपत्ति प्रीमियम में वृद्धि हुई है। एंजेल वन में डीवीपी-रिसर्च, गैर-कृषि कमोडिटीज और करेंसीज प्रथमेश माल्या के अनुसार, व्यापारी आगामी अमेरिकी उत्पादक और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक डेटा पर बारीकी से नज़र रख रहे हैं, जो फेड की ब्याज दर प्रक्षेपवक्र में आगे की जानकारी प्रदान कर सकता है।

मिर्ज़ापुर सोनभद्र

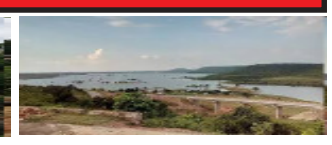

एसपी को मिला अन्तर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन आईएसओ प्रमाण पत्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रिजर्व पुलिस लाइन चुर्क सोनभद्र को मिला आईएसओ-9001:2015 का प्रमाण पत्र-अन्तर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन के लीड ऑडीटर द्वारा पुलिस अधीक्षक को सौपा गया प्रमाण पत्र-पुलिस लाइन चुर्क आईएसओ के मानकों पर उतरा खरा सोनभद्र की पुलिस लाइन को बेहतर प्रबन्धन, प्रशिक्षण, सेवाओं व सुविधाओं के लिए अन्तर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन आईएसओ-9001:2015 का प्रमाण पत्र मिला है । रमेश चन्द्र राय लीड ऑडीटर, अन्तर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन के द्वारा यह प्रमाण पत्र डॉ0 यशवीर सिंह पुलिस अधीक्षक कालू सिंह अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय), त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), संजीव कटियार क्षेत्राधिकारी सदर व मुहम्मद नदीम प्रतिसार निरीक्षक को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। पुलिस लाइन में शारीरिक फिटनेस के लिए जिम, खेल परिसर, केन्द्रीय पुलिस कैन्टीन, परिवहन शाखा, शस्त्रागार, प्रशिक्षण ग्राउंड, वर्दी स्टोर, प्रतिसार निरीक्षक कार्यालय, जनरल डायरी कार्यालय, गणना कार्यालय की सेवायें प्रदान करना व पुलिस कमिर्यों के रहने के साफ सुन्दर व मूलभूत सुविधाओं से युक्त आदर्श बैरकों का मूल्यांकन घ्एध् की टीम द्वारा किया गया तत्पश्चात

आईएसओ् के मानकों के अनुरूप पाया गया जिस पर पुलिस लाइन चुर्क को आईएसओ-9001:2015 का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया डॉ0 यशवीर सिंह पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने पुलिस लाइन में वार्ता कर इस बात की जानकारी दी कि पुलिस लाइन चुर्क सोनभद्र को आईएसओ-9001:2015 का प्रमाण पत्र मिला है। आईएसओ की टीम ने निरीक्षण के बाद मानकों पर खरा उतरने पर उसे प्रमाण पत्र प्रदान किया है। श्री सिंह ने बताया कि आईएसओ का मुख्यालय स्विटजरलैंड के जेनेवा में है। यह संगठन विभिन्न मानकों के अनुरूप किसी निकाय की विशिष्ट विशेषताओं का आंकलन करती है। आईएसओ की टीम ने पुलिस लाइन पहुँचकर निरीक्षण किया था। यहाँ अच्छी सुविधाओं को देखते हुए पुलिस लाइन चुर्क सोनभद्र को आईएसओ प्रमाण पत्र दिया गया है।मिर्जापुर। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने मंगलवार को विकास भवन स्थित सहायक निदेशक मत्स्य कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान कार्यालय में व्यवस्था अस्त-व्यस्त मिली और कार्य विभाजन की जानकारी तक नहीं दी गई। कर्मचारियों पर शिथिल नियंत्रण मिलने पर जिलाधिकारी ने प्रभारी सहायक निदेशक मत्स्य तथा विभाग के सभी कर्मचारियों का एक दिन का वेतन रोक दिया।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यालय में सफाई व्यवस्था के अलावा उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया। कार्यालय में सफाई व्यवस्था ठीक नहीं मिली। कार्यालय में अभिलेख और पत्रावलियां बेतरतीब ढंग से रखीं मिलीं। उपस्थिति पंजिका का अवलोकन करने पर पता चला कि ज्येष्ठ मत्स्य निरीक्षक विवेक तिवारी कई महीने से अनुपस्थित चल रहे हैं। जिलाधिकारी ने प्रभारी सहायक निदेशक मत्स्य से जब कर्मचारियों के बीच कार्य विभाजन की जानकारी मांगी तो वे इसकी जानकारी नहीं दे सके। कार्यालय में तीन मत्स्य विकास अधिकारी संजय कुमार जायसवाल, नवीन मिश्रा, अभिषेक वर्मा तथा ज्येष्ठ मत्स्य निरीक्षक विवेक तिवारी समेत कुल चार अधिकारी तैनात हैं। परंतु किसी भी अधिकारी द्वारा कायर्योजना के संबंध में समुचित जानकारी नहीं दी गई। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई और प्रभारी सहायक निदेशक मत्स्य समेत सभी कर्मचारियों का एक दिन का वेतन अगले आदेश ततक के लिए रोक दिया। निरीक्षण के दौरान डीडीओ श्रवण कुमार राय, परियोजना निदेशक दिलीप सोनकर, उपायुक्त स्वरोजगार बब्बन राय आदि मौजूद रहे।

घर के बाहर खेलते समय लापता हुआ मासूम, पानी से भरे गड्ढे में मिला शव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। करमा थाना क्षेत्र के सिरसिया कुराई ग्राम पंचायत के अकड़ी पुरवा में रविवार की रात पानी से भरे गड्ढे में डूबने से मासूम की मौत हो गई। खेलते समय वह गड्ढे में गिर गया था। रात भर परिजन उसकी तलाश करते रहे।सोमवार की सुबह शव मिलने के बाद घटना की जानकारी हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अकड़ी पुरवा निवासी ओमप्रकाश का पुत्र गोलू (5) रविवार की देर शाम घर से करीब 400 मीटर दूर खेल रहा था।उसे बाहर

खेलता छोड़कर परिजन घरेलू काम निपटाने में लग गए। इस बीच बच्चा पास के पानी से भरे गड्ढे की ओर गया। पैर फिसलने से वह गड्ढे में चला गया। कुछ देर बाद परिवार के सदस्य बच्चे को मौके पर न पाकर उसकी खोजबीन में जुट गए।काफी देर तक वह बच्चे को तलाशते रहे, मगर कोई सुराग नहीं मिला। देर रात पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने संभावित स्थानों पर तलाश की, मगर पता नहीं चला। इस बीच सोमवार की सुबह गांव के लोगों ने ओमप्रकाश के घर के पास स्थित पानी भरे गड्ढे में बच्चे की लाश दिखी।बेटे का नाम पुकारते हुए मां रो-रोते बेहोश हो जा रही थी।

शादी का वादा कर बनाया शारीरिक संबंध, अब किया इन्कार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। धनघटा क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती ने युवक पर 10 वर्षो से शादी का आश्वासन देकर शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाते हुए पुलिस को प्रार्थनापत्र देकर कार्रवाई की मांग की है 22 वर्षीय युवती का आरोप है कि 10 वर्ष पहले गांव निवासी युवक उसे बहला-फुसलाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया। आश्वासन दिया कि उससे शादी करेगा। 10 वर्षों तक शारीरिक शोषण करता रहा। आरोप है कि जब उससे शादी के लिए दबाव बनाया तो वह शादी करने से इन्कार करते हुए शरीर पर तेजाब फेंक कर जान मारने की धमकी दे रहा है।युवती ने थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस के मुताबिक प्रार्थनापत्र मिला है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

ट्रैक मरम्मत पर हर साल 10 करोड़ खर्च, ढाई साल में सात हादसे और दोष मौसम का

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रेलवे ट्रैक की मरम्मत पर अनपरा परियोजना हर साल दस करोड़ रुपये खर्च कर रहा है, बावजूद कोयला लदी गाडियों के बेपटरी होने का सिलसिला नहीं थम रहा। पिछले ढाई साल में सात बार घटनाएं हुई हैं। इसमें परियोजना को लाखों की क्षति पहुंची है।हर साल हादसे के बाद जांच होती है, मगर इसकी रिपोर्ट कभी सामने नहीं आती। अफसर सिर्फ मौसम को जिम्मेदार बताकर जांच पूरी कर लेते हैं। गर्मी में कभी ट्रैक फैल जाता है तो सर्दी में सिकुड़ता है, अब बरसात में मिट्टी खिसकने को हादसे का कारण बताया जा रहा है।अनपरा परियोजना राज्य उत्पादन निगम की प्रदेश को सबसे सस्ती बिजली उपलब्ध कराने वाली परियोजना है। कोल खदान के मुहाने पर होने के कारण भी यहां बिजली उत्पादन का खर्च कम आता है। एनसीएल की विभिनन्न खदानों से कोयला लाने के लिए रेल लाइन बिछाई गई। करीब डेढ़ दशक पुरानी इसी लाइन से ही कोयला लदी गाड़ियों का आवागमन होता है। परियोजना को नियमित कोल आपूर्ति के लिए लाइफ लाइन होने के बाद भी इसकी देखरेख और मरम्मत को लेकर जिम्मेदार बेपरवाह हैं। मरम्मत के लिए हर साल बजट पास होता है ।

थाना बभनी पुलिस द्वारा दो नफर वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय रवाना किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा अपराध एवं अपराधियो के

विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (आप0) सोनभद्र के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी दुद्धी के पर्यवेक्षण तथा प्र0नि0 बभनी के नेतृत्व में थाना बभनी पुलिस द्वारा दिनांक 14.08.2024 को दो नफर वारण्टी 1.श्यामलाल पुत्र रामजीत निवासी चपकी थाना बभनी जनपद सोनभद्र उम्र करीब 45 वर्ष, 2.रामअधार पुत्र स्व0 बुलचू निवासी चपकी थाना बभनी जनपद सोनभद्र उम्र करीब 55 वर्ष सम्बन्धित माननीय न्यायालय अपर सिविल जज जू0डि0/मजि0 दुद्धी जनपद सोनभद्र द्वारा दिनांक 30.07.2024 को निर्गत आदेशिका गिरफ्तारी का अधिपत्र सम्बंधित मु0नं0- 191/13 धारा-323/ 504/ 325 भादवि ता10पेशी - 21.10.2024 में गिरफ्तार कर मा0न्यायालय भेजा गया । **गिरफ्तार करने वाली टीम** 1.उ0नि0 अभयनाथ सिंह यादव थाना बभनी जनपद सोनभद्र 2.हे0का0 प्रदीप कुमार सिंह थाना बभनी जनपद सोनभद्र । 3.का0 शिवम सिंह थाना बभनी जनपद सोनभद्र ।

साइबर क्राइम पुलिस थाना सोनभद्र द्वारा आवेदिका के खाते से फ्राड हुए 01 लाख रुपये दिलवाये गये वापस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। आवेदिका कुमारी सोनमती पुत्र लाल साहब निवासिनी ग्राम सोहदवल पोस्ट पौनी थाना रायपुर जनपद सोनभद्र द्वारा साइबर क्राइम पुलिस थाना सोनभद्र पर सूचना दिया गया कि आवेदिका के साथ 01 लाख रुपये का साइबर फ्राड कर लिया गया है। शिकायत के उपरान्त पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशानुसार साइबर क्राइम पुलिस थाना सोनभद्र की टीम द्वारा आवेदिका के किये गये शिकायत पर त्वरित कार्यवाही करते हुए आवेदिका का संपूर्ण धनराशि आवेदिका के खाते में वापस कराई गई। जिस पर आवेदिका द्वारा साइबर क्राइम पुलिस थाना सोनभद्र की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए धन्यवाद दिया गया।

विभिन्न समुदाय ने राष्ट्रपति नामित सौपा पत्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। कलेक्ट्रेट परिसर में विरोध प्रदर्शन करते हुए डीएम को सौपा पत्र । पूरे कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे हिदायतुल्ला खान ने बताया कि उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं पूर्व सांसद मोहम्मद आजम

खान पर निराधार झूठे, मनगढ़ंत मुकदमा तथा फर्जी कानूनी कार्यवाही किए जाने के संबंध में आपके संज्ञान में लाना है कि उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ राजनीतिज्ञ मोहम्मद आजम खाँ पर जनपद उत्तर प्रदेश के प्रशासन द्वारा लगभग 180 फर्जी झूठे एवं निराधार मुकदमे लगाए गए हैं तथा द्वेष की भावना से प्रशासन एवं पुलिस की सांठ-गांठ व मिली भगत से सरासर फर्जी एवं मनगढ़ंत मुकदमा में सजा दिलाई जा रही है। खेद का विषय है कि शासन एवं प्रशासन की यह द्वेषपूर्ण एवं बदले की कार्यवाही माननीय मोहम्मद आजम खाँ के पूरे परिवार के खिलाफ की गई है। मोहम्मद आजम खां की पतनी सेवानिवृत प्रोफेसर श्रीमती तंजीम फातिमा के विरुद्ध भी इसी प्रकार के झूठे एवं फर्जी मुकदमे लगाये गये है। प्रोफेसर तंजीम फातिमा राज्य सभा एवं उ0प्र0 विधान सभा की सदस्य भी रह चुकी हैं, इसी प्रकार माननीय मोहम्मद आजम खाँ के पुत्र अब्दुल्ला आजम खाँ जो कि जनपद रामपुर के स्वार टाण्डा विधान सभा क्षेत्र से दो बार विधायक चुने जा चुके हैं, पर भी फर्जी एवं झूठे मुकदमे कायम किये गये है। मोहम्मद आजम खां एवं उनके परिवार के विरूद्ध फर्जी एवं झूठे मुकदमे कायम करके पूरे परिवार को प्रताड़ित करने एवं निराधार व मनमानी कार्यवाहियों के जरिये सजा दिलाने के षड्यन्त्र में मण्डल एवं जनपद के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों का षडयंत्र है जो कि मोहम्मद आजम खाँ की छवि एवं राजनीति को धूमिल करके नुकसान पहुंचाने के इरादे रखते है। मोहम्मद आजम खान एक वरिष्ठ राजनीतिज्ञ है जो की रामपुर सदर विधान सभा क्षेत्र से 10 बार विधायक चुने जा चुके हैं। 1996 से 2002 तक राज्यसभा सदस्य रहे तथा 2019 में लोकसभा सदस्य निर्वाचित हुए। मोहम्मद आजम खान 1989, 1993, 2003 तथा 2012 में उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रहे। मोहम्मद आजम खान ने अपनी लंबी राजनीतिक सेवाओं के साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी बहुमूल्य योगदान दिया है। कई माध्यमिक शिक्षण संस्थानों के साथ रामपुर में मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय की स्थापना की है। लगभग 76 वर्षीय मोहम्मद आजम खान का संपूर्ण जीवन जन सेवा से जुड़ा रहा है तथा एक कर्मठ एवं ईमानदार राजनेता की हैसियत से उनकी पहचान रही है आप देश के सर्वोच्च पद पर आसीन है, आपसे हम निवेदन करते है कि देश के एक वरिष्ठ राजनीतिज्ञ मोहम्मद आजम खान के साथ होने वाले इस घोर अन्याय एवं फर्जी, निराधार और झूठी कार्रवाइयों को संज्ञान में लेकर राजनीतिक एवं व्यक्तिगत द्वेष की भावना से मोहम्मद आजम खान पर किए जा रहे अत्याचार के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही करने का कष्ट करें। भारत एक न्याय प्रिय देश है। आप भारत गणराज्य के सर्वोच्च पद पर आसीन हैं, जो कि हर प्रकार की राजनीति से बहुत ऊपर है। हम आपसे न्याय की रक्षा एवं सुरक्षा की अपेक्षा करते हैं। कार्यकम के नेतृत्वकर्ता हिदायत उल्लाह खान के साथ तनवीर खान हाजी आरिफ़, फारुक अली, नज़मुद्दीन, सुरज़ मिश्रा,खुर्शीद आलम, मुस्तफ़ा,विनीत सरोज़, पियूष यादव ,गुलाम यासीन,हरिशंकर विश्कर्मी,राजा बीडीसी शीतल,नशरुद्दीन शाहिद फैयास ,इतब्ज़ील जिलानी कादिर,हिफाज़त अलीइरमेश यादव अंशु मदेशिया इलियास,सरदार दिलकरन सिंह, भानुप्रताप बियार, सुशील राय,मुमताज़ शेख,रियासत अली,सुहैल कुरैशी कमरुद्दीन आदि लोग शामिल थे

स्कूल वैन की टक्कर से साइकिल सवार बालक की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। देहात कोतवाली क्षेत्र के बीरमउवा नई बस्ती के पास सोमवार की सुबह घर के समीप साइकिल चला रहा बालक स्कूल वैन की टक्कर से गिरकर घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए ट्रॉमा सेंटर मिर्जापुर ले जाया गया। वहां से उसे बीएचयू रेफर किया गया। बीएचयू ले जाते समय रास्ते में बालक की मौत हो गई।बीरमउवा नई बस्ती निवासी रूपेश विश्वकर्मा की किराना की दुकान है। सोमवार की सुबह दुकान के सामने उनका आठ वर्षीय पुत्र साइकिल चला रहा था। इस दौरान स्कूली वैन की टक्कर से वह गिरकर घायल हो गया। परिजन बालक को उपचार के लिए ट्रॉमा सेंटर मिर्जापुर लेकर गए। जहां प्राथमिक उपचार के बाद

बालक की हालत गंभीर देख डॉक्टर ने उसे बीएचयू रेफर कर दिया। बीएचयू ले जाते समय रास्ते में बालक की मौत हो गई। परिजन शव लेकर घर आ गए और सूचना पुलिस को दी। पिता रूपेश ने तहरीर देकर बताया कि तेज रफ्तार स्कूल वैन की टक्कर से साइकिल चला रहा उनका पुत्र घायल हो गया। उपचार के लिए बीएचयू ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। तहरीर पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। देहात कोतवाल अजय सेठ ने बताया कि हादसे में बालक की मौत हो गई। स्कूल वैन का पता लगा लिया गया है। तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

60 हजार से अधिक घरों तक भाजपा पहुंचाएगी तिरंगा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत भाजपा जिला कार्यालय पर तिरंगा वितरित किया गया। जिले के सभी मंडलों के अध्यक्ष को तिरंगा सौंपते हुए उसे हर क्षेत्र तक पहुंचाने का निर्देश दिया गया। पार्टी 60 हजार से अधिक तिरंगा का वितरण करेगी।बतौर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री संजीव कुमार गोंड व विशिष्ट अतिथि जिला प्रभारी अनिल सिंह मौजूद रहे। संजीव गोंड ने कहा कि 15 अगस्त को जिले के सभी घरों पर तिरंगा लहराता हुआ दिखाई दे, यह संकल्प लें।जिलाध्यक्ष नंदलाल ने बताया कि जिले के सभी 21 मंडलों में मंडल अध्यक्ष व अभियान संयोजक के माध्यम से सभी शक्ति केंद्र व बूथ के लिए ध्वज भेजा गया है।

फहरेगा हर घर तिरंगा बढ़ाएंगे देश का शान : अजीत रावत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चल रहे हर घर तिरंगा के साथ मनाते हुए अपने अपने घरों पर तिरंगा लगाना है। वही श्री प्रमुख ने बताया कि 11 अगस्त से चल

रहे हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत रैली जुलुस, स्वच्छता अभियान, महापुरुषों को माल्यार्पण जैसे विभिनन्न कार्यक्रमो के अंतर्गत जनपद के सभी विधानसभाओं मे लगातार किया जा रहा है। इस दौरान पारस भारती रेडियो आईएसबी अनिल सिंह क्षेत्र पंचायत सदस्य मुलायम सिंह यादव सुधीर श्रीवास्तव अमन वर्मा सफाई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष रवि मौर्य शैलेश त्रिपाठी रवि कनौजिया संजय सिंह अमित कुमार संजय कुमार कमलेश भारती आदि लोग मौजूद रहे। अभियान के अंतर्गत बुधवार को महापुरुषों के प्रतिमा की सफाई करते हुए स्वच्छता कर माल्यार्पण किया गया। इस मौके मुख्यअतिथि सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत द्वारा ब्लाक परिसर में चलाया स्वच्छता अभियान वहां मौजूद छेत्र पंचायत सदस्यों को वितरित किए तिरंगा झंडा ।वही मुख्यअतिथि ने द्वारा घर घर जाकर तिरंगा वितरण किया गया और सभी से अपने घरो पर तिरंगा लगाने का आग्रह करते हुए घर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत श्री रावत ने कहा कि हम सभी को आजादी के महोत्सव को हर्षोल्लास

कुड़ी गांव में दूसरे दिन भी डायरिया की चपेट में 25 लोग, 14 अस्पताल में भर्ती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
राजगढ़। कुड़ी गांव में दो दिन में 70 लोग डायरिया की चपेट में आ चुके हैं। सोमवार को 45 लोग डायरिया की चपेट में आ गए थे। इस बीच सोमवार को रात से मंगलवार को दोपहर तक 25 और लोग डायरिया की चपेट में आ गए। डायरिया पीडित 14 मरीजों को सीएचसी राजगढ़ में भर्ती कराया गया है। जहां एक की हालत गंभीर देख डॉक्टर ने मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया। सीएचसी राजगढ़ के प्रभारी अधीक्षक डॉ.पवन कुमार कश्यप टीम के साथ कुड़ी गांव में पहुंचकर डायरिया पीड़ितों का इलाज करने में जुटे रहे।कुड़ी गांव में दूषित पानी पीने से चार दिन से लोग डायरिया की चपेट में आ रहे हैं। मंगलवार को लगभग 25 लोग डायरिया की चपेट में आ गए।इनमें से 14 लोगों को सीएचसी में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। बाकी लोगों को गांव में ही इलाज हो रहा है। डायरिया की चपेट में आने से तीन दिन पहले दो लोगों की मौत भी हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग की टीम डायरिया पीडितों के इलाज में जुटी है। डायरिया पीडित तपेसरा (60), अंशिका (12), विमला (40), कंचन(24), मंजू (45), कमला देवी (70), विमला (35), कंचन (22) को सोमवार की देर रात सीएचसी राजगढ़ में भर्ती किया गया। गांव में पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम ने राजकुमार (26), सियाराम (65), सुशीला (50), धनरेश (22), रविकांत (28), रामललित (50) आदि को दवाएं दी गईं। उधर, अस्पताल में भर्ती विमला की हालत गंभीर देख डॉक्टर ने मंगलवार की सुबह मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया। मंगलवार की सुबह सीएचसी के प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पवन कुमार कश्यप के नेतृत्व में सात सदस्यीय टीम कुड़ी गांव पहुंची और डायरिया पीडितों के इलाज में जुटी रही। उन्होंने बताया कि मरीजों और उनके परिजनों को पानी उबाल कर पीने की सलाह दी गई है।

स्पोर्ट्स

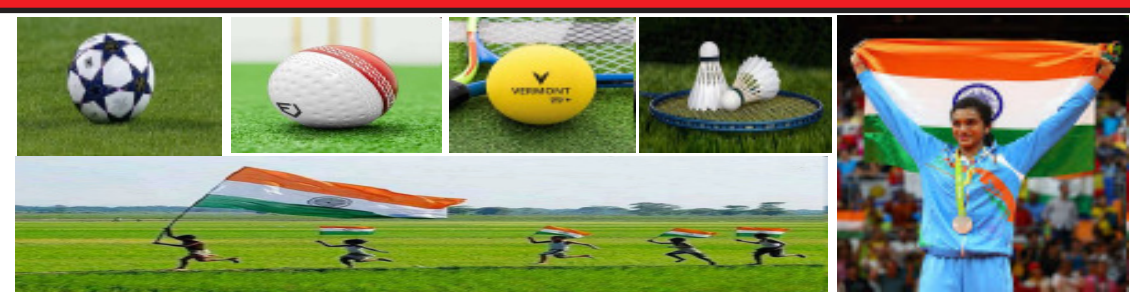

ओलंपिक में देश के लिए कई और पदक जीतने हैं: मनु भाकर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पेरिस में दो पदक जीतने वाली भारत की पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर की नजरें अब ओलंपिक

में कई पदक जीतने पर लगी हैं। पेरिस में 22 वर्षीय मनु स्वतंत्रता के बाद एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनी थीं। उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम में सरबजोत के साथ कांस्य पदक जीता था वह 25 मीटर पिस्टल में भी कांस्य पदक जीतने से चूक गई थीं और चौथे स्थान पर रहीं थीं। मनु ने कहा, हम सभी पदक जीतने के लिए काफी मेहनत करते हैं, लेकिन अगर भविष्य में दो से अधिक पदक एक ही ओलंपिक में जीत पाती हूं तो यह शानदार होगा। कड़ी मेहनत करके भविष्य में बेहतर प्रदर्शन का लक्ष्य है। मैं भविष्य में भारत के लिए और ओलंपिक पदक जीतना चाहती हूं। मनु समापन समारोह में अनुभवी गोलकीपर पी आर श्रीजेश के साथ भारत की ध्वजवाहक थीं। उन्होंने कहा कि यह जीवन में एक बार मिलने वाला अनुभव था। मैं इसके लिए शुक्रगुजार हूं और इसे पूरी जिंदगी याद रखूंगी। श्रीजेश भैया के साथ मेरा बहुत अच्छा संबंध है। मैं उन्हें बचपन से जानती हूं। वह काफी दोस्ताना, मददगार और विनम्र रहते हैं। उन्होंने मेरे लिये समापन समारोह में काम बहुत आसान कर दिया। इस बीच, मनु की मां सुमेधा ने कहा कि मैं उसके लिए बहुत खुश हूं। सभी खिलाड़ियों के लिए। मैं पेरिस में हॉकी टीम, अमन सहरावत, नीरज चोपड़ा से मिली। उम्मीद है कि ये खिलाड़ी और पदक जीतकर भविष्य में अपनी मां और देश को गौरवान्वित करते रहेंगे मनु भाकर अक्टूबर में दिल्ली में 13 से 18 अक्टूबर तक होने वाले निशानेबाजी विश्व कप से बाहर रह सकती है क्योंकि उन्होंने तीन महीने का ब्रेक लेने का निणय्य किया है। मनु के कोच जसपाल राणा ने कहा, मुझे नहीं पता कि वह अक्टूबर में होने वाले विश्व कप में खेलेंगी या नहीं क्योंकि वह तीन महीने का ब्रेक ले रही है। वह लंबे समय से कड़ी मेहनत कर रही है तो यह सामान्य ब्रेक है। ब्रेक के बाद हम 2026 एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेलों के लिए काम करेंगे।

ओलंपिक 2024 में मेडल जीतने वाले भारतीय एथलीट्स हुए मालामाल, मनु भाकर से लेकर नीरज चोपड़ा तक, किसे कितनी मिली रकम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक 2024 का आयोजन फ्रांस की राजधानी

पेरिस में किया गया। इस बार पेरिस ओलंपिक में भारत ने कुल 6 मेडल जीते, जिसमें से एक सिल्वर मेडल और पांच कांस्य पदक शामिल रहा। मनु भाकर ने भारत को सबसे पहला पदक दिलाया। मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता, जबकि मिक्स्ड टीम इवेंट में उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर अपना दूसरा कांस्य पदक जीता। भारत के लिए नीरज चोपड़ा ने एकमात्र सिल्वर मेडल जीता। वहीं, स्वपिन्ल कुसाले ने शूटिंग में, तो रेसलिंग में अमन सहरावत ने कांस्य पदक अपने नाम किया। ऐसे में भारत के इन एथलीट्स को मेडल जीतने के बाद कितनी इनाम राशि मिली, आइए जानते हैं। 22 साल की मनु भाकर ने ओलंपिक 2024 में दो मेडल अपने नाम किए। उन्हें खेल एवं युवा मंत्रालय, भारत सरकार की तरफ से 30 लाख रुपये की इनाम राशि मिली। क्लोजिंग सेरेमनी में मनु भाकर भारत की राष्ट्रध्वाक रहीं। भारतीय मेंस हॉकी टीम ने ब्रॉन्ज मेडल जीता और हॉकी टीम के हर एक सदस्य को 15 लाख रुपये मिले, जिसका एलान हॉकी इंडिया ने किया। साथ ही 7,5 लाख रुपये सपोर्ट स्टॉफ के हर एक मेंबर को मिला। ओडिशा के सीएम मोहन माझी ने डिफेंडर अमित रोहिदास को 4 करोड़ रुपये और 15 लाख रुपये हर प्लेयर को और सपोर्ट स्टाफ को 10 लाख रुपये देने की घोषणा की। वहीं, पंजाब के सीएम भगवंत मनन ने हर सदस्य को 1 करोड़ रुपये देने का एलान किया।भारतीय शूटर सरबजोत सिंह ने मिक्स्ड टीम इवेंट में मनु भाकर के साथ मिलकर कांस्य पदक अपने नाम किया। खेल एवं युवा मंत्रालय, भारत सरकार ने 22.5 लाख रुपये का चेक देने का एलान किया।टोक्यो ओलंपिक में गोल्ड जीतने वाले नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक 2024 में सिल्वर मेडल जीता। उन्हें सिल्वर जीतने के बाद कितनी इनाम राशि दी जाएगी, इसका एलान नहीं हुआ। स्वपिन्ल कुसाले जिन्होंने पेरिस ओलंपिक 2024 में मेंस 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन के फाइनल में कांस्य पदक जीता, उन्हें महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने 1 करोड़ रुपये देने का एलान किया। अमन सहरावत ने पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीता। उन्हें मेडल जीतने के बाद कितनी इनाम राशि मिलेगी इसका अभी तक आधिकारियक रूप से एलान नहीं हुआ।

विनेश फोगट मामले में फैसला टला, अभी करना होगा और इंतजार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। महिला पहलवान विनेश फोगाट के मेडल का फैसला टाल दिया गया है। फाइनल से पहले विनेश फोगाट ओवरवेट पाई गई थीं। उनका वजन 100 ग्राम ज्यादा था, इस कारण वह 50 किलोग्राम में डिसक्वालिफाई कर दी गई थीं। इसके बाद उन्होंने कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स में अपील की थी जिस पर आज फैसला आना था। हालांकि सेमीफाइनल में जीत के बाद विनेश फोगाट ओलंपिक के फाइनल में जगह बनाने वाली भारत फोगाट को लेकर कहा कि एक वर्ग में दो सिल्वर नहीं दिए जा सकते। उन्होंने यह भी कहा कि कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन का जो भी फैसला होगा उसका पालन किया जाएगा। 50 किलोग्राम फ्रीस्टाइल भार वर्ग के फाइनल

भारवर्ग में डिसक्वालिफाई कर दी गईं थीं। इसके बाद उन्होंने कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स में अपील की थी, जिस पर आज फैसला आना था। हालांकि, इस फैसले को 16 अगस्त तक के लिए टाल दिया गया है। अब 16 अगस्त की रात 9:30 बजे विनेश के मेडल पर फैसला आएगा।देश की महिला पहलवान विनेश फोगाट के मेडल का फैसला टाल दिया गया है। फाइनल से पहले विनेश फोगाट ओवरवेट पाई गई थीं। उनका वजन 100 ग्राम ज्यादा था इस कारण वह 50 किलोग्राम भारवर्ग की पहली महिला पहलवान बनी थीं। इसके साथ ही उन्होंने देश के लिए कम से कम गोल्ड या सिल्वर मेडल तो पक्का कर दिया था। हालांकि, फाइनल की सुबह भारत की उम्मीदों को झटका लगा। विनेश फोगाट का वजन 100 ग्राम ज्यादा पाया गया और उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। फाइनल से एक रात पहले विनेश का वजन 2 किलो अधिक था। ऐसे में उन्होंने रात भर मेहनत की और वजन घटाया। हालांकि, वह 100 ग्राम से चूक गईं।इंटरनेशनल ओलंपिक समिति के अध्यक्ष थॉमस बाक ने विनेश में विनेश का सामना संयुक्त राज्य अमेरिका की सारा एन हिल्डेब्रांट से होना था। विनेश ने खेल पंचाट न्यायालय (सीएएस) से गुहार लगाई है कि उन्हें संयुक्त रूप से सिल्वर मेडल दिया जाए। इस मामले की सुनवाई 9-10 अगस्त तक पूरी हो गई थी। सीएएस ने कहा था कि इस मामले पर फैसला पेरिस ओलंपिक के खत्म होने से पहले आ जाएगा। इसके बाद कोर्ट ने बताया कि वह 13 अगस्त को फैसला देगा। हालांकि, अब यह शुक्रवार को आएगा।

पैरालंपिक्स में भारत की मेडल उम्मीदों को लगा तगड़ा झटका, प्रमोद भगत पर लगा 18 महीने का बैन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पेरिस पैरालंपिक्स 2024 से पहले भारत की मुश्किलें बढ़ गई हैं। प्रमोद भगत पेरिस पैरालंपिक्स 2024 में हिस्सा नहीं

ले पाएंगे। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने उन्हें डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया है। ऐसे में उन पर 18 महीने का बैन लगा दिया गया है। ने मंगलवार को प्रमोद भगत के बैन की जानकारी दी। 1 मार्च को कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन ऑफ स्पोर्ट के एंटी-डोपिंग डिवीजन ने बैडमिंटन खिलाड़ी को 12 महीने के भीतर 3 बार अपने ठिकाने की जानकारी नहीं देने के लिए एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया। भगत एक एथलीट हैं। उन्होंने अपील डिवीजन में अपील की थी, लेकिन उनकी अपील 29 जुलाई, 2024 को खारिज कर दी गई थी। अपील डिवीजन ने 1 मार्च को अपने फैसले की पुष्टि की। 11 अगस्त को ओलंपिक समाप्त हो गया। अब 28 अगस्त से 8 सितंबर तक 11 दिन पैरालंपिक्स का आयोजन होगा। टोक्यो पैरालंपिक्स 2020 में मेंस सिंगल कैटेगरी में प्रमोद भगत ने गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया था। यह पहला मौका था जब किसी भारतीय ने पैरालंपिक्स में बैडमिंटन में गोल्ड मेडल जीता हो। उन्होंने फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त ग्रेट ब्रिटेन के डेनियल बेथेल को 21-14, 21-17 से मात दी थी। बता दें कि 1988 में जन्मे भगत को पांच साल की उम्र में पोलियो हो गया था।इसके बाद भी 13 साल की उम्र में उन्होंने बैडमिंटन खेलने का फैसला लिया और एक प्रोफेशनल खिलाड़ी बने। भारत ने टोक्यो पैरालंपिक में कुल 19 पदक जीते थे। इनमें 5 गोल्ड, 5 सिल्वर और 6 कांस्य पदक थे।

बीसीसीआई ने इंटरनेशनल होम सीजन का रिवाइज्ड शेड्यूल किया जारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मंगलवार को 2024-25 सीजन के लिए टीम इंडिया के आगामी घरेलू सीजन के लिए रिवाइज्ड शेड्यूल की घोषणा की है। बोर्ड ने 2 बड़ी सीरीज में अहम बदलाव किए हैं। भारत-बांग्लादेश और भारत-इंग्लैंड सीरीज में बड़ा बदलाव किया गया है। भारत और बांग्लादेश के बीच पहला जो पहले 6 अक्टूबर 2024 को धर्मशाला में होना था, अब ग्वालियर में होगा। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के ड्रेसिंग रूम का रिनवेशन हो रहा है। भारत और बांग्लादेश के बीच पहला ग्वालियर के नए स्टेडियम श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में होगा। बोर्ड ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले और दूसरे टी20घ् के वेन्यू में बदलाव किया है। पहला टी20 मैच चेन्नई में खेला जाना था अब दूसरा टी20 यहां पर खेला जाएगा। वहीं कोलकाता अब दूसरे के बजाए पहले टी20 की मेजबानी करेगा। गणतंत्र दिवस को देखते हुए कोलकाता पुलिस द्वारा बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन से अनुरोध के बाद पहले टी20 के वेन्यू में बदलाव किया गया है।

गोल्ड मेडलिस्ट अरशद नदीम ने लश्कर ए तैयबा के आतंकी से की मुलाकात लोगों ने नीरज चोपड़ा को बनाया निशाना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक 2024 अब समाप्त हो गया है। इस ओलंपिक में पाकिस्तान की ओर

से इकलौता मेडल अरशद नदीम को मिला। जेवलिन थ्रो में अरशद नदीम ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वहीं भारत के भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने सिल्वर मेडल जीता। गोल्ड मेडल जीतने के बाद से ही अरशद नदीम चर्चा में बने हुए हैं। एक्टर से लेकर नेता और बिजनेस मैन तक सभी अरशद नदीम से मुलाकात कर रहे हैं। इस बीच अरशद नदीम ने आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा में शामिल हारिस डार से मुलाकात की। हारिस डार भारत की नजर में आतंकी है। नदीम की इस मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। वीडियो में अरशद नदीम और हारिस डार को बात करते हुए देखा जा सकता है। पेरिस ओलंपिक 2024 अब समाप्त हो गया है। इस ओलंपिक में पाकिस्तान की ओर से इकलौता मेडल अरशद नदीम को मिला। जेवलिन थ्रो में अरशद नदीम ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया। गोल्ड मेडल जीतने के बाद से ही अरशद नदीम चर्चा में बने हुए हैं। एक्टर से लेकर नेता और बिजनेस मैन सभी अरशद नदीम से मुलाकात कर रहे हैं। अरशद नदीम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यूजर्स नीरज चोपड़ा को निशाना बना रहे हैं। इतना ही नहीं कुछ लोगों ने तो नीरज चोपड़ा को अरशद नदीम से दूर रहने की सलाह दी है। बता दें कि हाल ही में नीरज चोपड़ा की मां ने अरशद नदीम को अपना बेटा बताया था। नीरज और अरशद काफी अच्छे दोस्त भी हैं। पेरिस ओलंपिक से दोनों की एक साथ कई तस्वीरें सामने आई थीं। पेरिस ओलंपिक 2024 में नीरज चोपड़ा ने 89.45 मीटर थ्रो किया था। दूसरी ओर पाकिस्तान के भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम ने 92.97 मीटर थ्रो किया था। बता दें कि अमेरिका के डिपार्टमेंट ऑफ ट्रेजरी ने मिली मुस्लिम लीग पार्टी के 7 आतंकियों को ग्लोबल आतंकी घोषित किया। इनमें मोहम्मद हारिस डार का नाम भी शामिल था। आरोप था कि ये लोग लश्कर ए तैयबा के लिए काम करते हैं।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं	आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे	किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।	आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।
आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।	नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे है तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।	आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।	आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।	आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।	मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

इन खिलाड़ियों को खरीदने के लिए टीमों के बीच होगी जबरदस्त जंग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। प्रो कबड्डी लीग 2024 ऑक्शन में कुछ ही दिन रहते है।

इसका आयोजन 15 अगस्त और 16 अगस्त को होना है, जिसमें कई खिलाड़ियों पर मोटी बोली लगाई जा सकती है। पिछले पीकेएल की तुलना में इस बार ऐसे भी खिलाड़ी हैं जिन्हें खरीदने के लिए टीमों के बीच जबरदस्त वॉर देखने को मिल सकता है। आइए जानते हैं इन खिलाड़ियों के नाम, जो पीकेएल 2024 में काफी महंगे बिक सकते हैं। लिस्ट में पहले नंबर पर पवन सहरावत का नाम है, जिन्हें पीकेएल के पिछले सीजन में तेलुगु टाइटंस ने 2.605 करोड़ रुपये की बोली लगाकर अपने खेमे में शामलि किया था। उनका बेस प्राइस महज 20 लाख रुपये था, लेकिन उन्हें खरीदने के लिए टीमों के बीच कड़ी जंग देखने को मिली। सहरावत जो कि पूर्व बेंगलुरु बुल्स का हिस्सा रहे, उन्हें खरीदने के लिए टीम ने पूरी कोशिश की, लेकिन बिडिंग में तेलुगु टाइटंस ने बाजी मार ली।नवीन कुमार को पीकेएल के 10वें सीजन में घुटने की इंजरी की वजह से टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था। ऐसे में इस बार पीकेएल के 11वें सीजन में उन्हें खरीदने के लिए फ्रेंचाइजी के बीच जोरदार जंग देखने को मिल सकती है। 3. मोहम्मदरेजा शादलूई पलटन ने पिछले पीकेएल का सीजन जीता था, जिसमें मोहाम्माड्रेजा शदलाऊ ने अहम योगदान दिया था। वह पिछले पीकेएल सीजन में बेस्ट डिफेंडर रहे, जिन्होंने हर मैच में डिफेंस किया और राइडर्स पर अटैक किया। 4. आशु मलिक लिस्ट में चौथे नंबर पर आशु मलिक का नाम है, जिन्हें पीएकेल 2024 में खरीदने के लिए सभी टीमें दिलचस्पी दिखा सकती है। आशु मलिक को प्रो कबड्डी लीग के पिछले सीजन में दबंग दिल्ली के.सी ने 96.25 लाख रुपये में अपने साथ खरीदा था। सीजन 10 ऑक्शन में आशु मलिक को खरीदने के लिए बेंगलुरु बुल्स और तमिल थलाइवास के बीच जबरदस्त जंग देखने को मिली थी। 5. मनिंदर सिंह प्रो- कबड्डी लीग 2024 ऑक्शन से पहले बंगाल वॉरियर्स ने मानिंदर सिंह को रिलीज कर दिया है। पीकेएल 10 में बंगाल वॉरियर्स ने कार्ड का इस्तेमाल करते हुए उन्हें 2.12 करोड़ रुपये में अपने खेमे में शामिल किया था, लेकिन 11वें सीजन के लिए उन्हें रिटेन नहीं किया गया और मनिंदर सिंह अब ऑक्शन में हिस्सा लेने वाले हैं। मनिंदर सिंह मैच का रुख पलटने का दमखम रखते हैं। ऐसे में उनका अनुभव देखते हुए उन्हें नीलामी में खरीदने के लिए फ्रेंचाइजी पानी की तरह पैसा बहा सकती हैं।

सम्पादकीय

15 अगस्त विशेषः भारत 15 अगस्त 1947 के दिन स्वतंत्र नहीं, उपनिवेश जन्मा था

15 अगस्त 1947 के बाद भारत के संवैधानिक मुखिया ब्रिटिश साम्राज्य के प्रतिनिधि गवर्नर जनरल लॉर्ड माउंटबेटन और फिर चक्रवर्ती राजगोपालाचारी थे। माउंटबेटन के बाद जब एक भारतीय, राजगोपालाचारी ने गवर्नर जनरल के पद की शपथ ली थी तो वह शपथ भी ब्रिटिश सम्राट (हिज मजेस्टी) के प्रति बफादारी की थी न कि भारत की नयी व्यवस्था के प्रति। हम हर साल 15 अगस्त को बड़े हर्षोल्लास के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाते हैं। इसी दिन की पहली बेला पर 1947 में पंडित जवाहरलाल नेहरू ने पहले प्रधानमंत्री के तौर पर पहली बार राष्ट्रीय ध्वज के तौर पर तिरंगे को फहराने के साथ ही ऐतिहासिक भाषण ''ट्रीस्ट विद डेस्टिनी'' या भाग्य के साथ साक्षात्कार दिया था। लेकिन क्या सचमुच उस दिन हमारा देश पूरी तरह आजाद हुआ था? दरअसल, सच्चाई यह है कि उस दिन भारत और पाकिस्तान को दो उपनिवेशों का दर्जा मिला था जिनकी सरकारें स्वदेशियों की थीं मगर सार्वभौम सत्ता फिर भी ब्रिटिश सम्राट के पास थी। उस स्वायत्तशसी भारत को सम्प्रभुता सम्पनन्-लोकतांत्रिक गणराज्य बनने के लिये 26 जनवरी 1950 तक और पाकिस्तान को 1956 तक इंतजार करना पड़ा। यही नहीं उस दिन के बाद भी भारत की सेकड़ों रियासतें राजशाही के बंधनों में जकड़ी हुयी थीं।15 अगस्त 1947 के बाद भारत के संवैधानिक मुखिया ब्रिटिश साम्राज्य के प्रतिनिधि गवर्नर जनरल लॉर्ड माउंटबेटन और फिर चक्रवर्ती राजगोपालाचारी थे। माउंटबेटन के बाद जब एक भारतीय, राजगोपालाचारी ने गवर्नर जनरल के पद की शपथ ली थी तो वह शपथ भी ब्रिटिश सम्राट (हिज मजेस्टी) के प्रति बफादारी की थी न कि भारत की नयी व्यवस्था के प्रति। सम्प्रभुता सम्पनन् एक गणराज्य के संविधान के लागू होने तक भारत पर 1935 का ही भारत सरकार अधिनियम लागू था जिसे ब्रिटिश पालियामेंट ने पारित किया था। यही नहीं भारत स्वतंत्रता अधिनियम, जिसके तहत भारत और पाकिस्तान दो उपनिवेशों के अस्तित्व में लाने के प्रावधान किये गये थे, वह भी ब्रिटिश संसद द्वारा पारित था। उस समय भारत की स्थिति भी ब्रिटेन द्वारा नियंत्रित अन्य उपनिवेशों की जैसी ही थी।सरल शब्दों में कहें तो डोमिनियन या उपनिवेश ब्रिटिश साम्राज्य के भीतर स्वायत्त शासन की इकाइयां थीं जो स्वायत्त अवश्य थे लेकिन ''क्राउन'' या सम्राट के प्रति निष्ठा रखते थे। इसका मतलब यह था कि किंग जॉर्ज षष्टम भारत के सम्राट के रूप में शासन करते रहे और लॉर्ड माउंटबेटन के बाद जब चक्रवर्ती राजगोपालाचारी देश के पहले भारतीय गवर्नर जनरल बने तो उन्होंने भी ब्रिटिश ताज के प्रति बफादारी की शपथ ली। जवाहरलाल नेहरू ने प्रधानमंत्री के रूप में शपथ तो ली लेकिन उन्हें राष्ट्र के मुखिया के तौर पर ब्रिटिश गवर्नर-जनरल के आदेश पर काम करना पड़ा और उनकी बैबिनेट के अनिर्वाचित भारतीय राष्ट्रवादी नेताओं को ब्रिटिश राजा या सम्राट के नाम पर शपथ दिलाई गई। इसका यह भी मतलब था कि एक ब्रिटिश फील्ड मार्शल भारतीय सेना का नेतृत्व करता था और ब्रिटिश द्वारा नियुक्त न्यायाधीश उच्च न्यायालयों और संघीय न्यायालय का हिस्सा बने रहते थे।अब सवाल उठता है कि आखिर भारतीय नेताओं और खास कर कांग्रेस ने 15 अगस्त 1947 को एक स्वतंत्र संप्रभु राष्ट्र के बजाय एक डोमिनियन राज्य को क्यों स्वीकार किया? देखा जाय तो उस समय की परिस्थितियों के अनुसार यह एक व्यावहारिक निणन्य था जिसका उद्देश्य महत्वपूर्ण आंतरिक और बाहरी चुनौतियों की पृष्ठभूमि के बीच औपनिवेशिक शासन से पूर्ण स्वतंत्रता तक एक स्थिर और प्रबंधनीय सत्ता संक्रमण सुनिश्चित करना था। कोई भी राष्ट्र अपने संविधान से चलता है और उस समय नये भारत का अपना कोई संविधान नहीं था। उस समय संविधानसभा देश के लिये अपना संविधान बनाने की प्रकृया में थी। वैसे भी संविधान तैयार करने में 2 साल 11 महीने और 18 दिन लग गये थे। जिसे संविधानसभा ने 26 नवम्ब 1949 को अंगीकृत किया गया। इसलिये इतने दिनों तक अपने लोगों द्वारा गठित सरकार को 1935 के विधान से ही काम चलाना पड़ा।भारतीय स्वतंत्रता आंदोलनका एकमात्र लक्षय आंशिक स्वतंत्रता न हो कर जोर पूर्ण स्वतंत्रता के लिए था। अगस्त सन् 1947 तक भारत भारी राजनीतिक और सामाजिक उथल-पुथल का सामना कर रहा था। भारत और पाकिस्तान में भारत के विभाजन के कारण भयंकर हिंसा, सामूहिक पलायन और सांप्रदायिक दंगे हुए थे। अराजक स्थिति को देखते हुए नेताओं को लगा कि डोमिनियन स्थिति को स्वीकार करने से कुछ स्थिरता बनाए रखते हुए औपनिवेशिक शासन से पूर्ण संप्रभुता में संक्रमण को अधिक प्रबंधनीय बनाया जा सकेगा।

नए हिंदुस्तान की कहानी लिखने को तैयार है इसरो, अंतरिक्ष एजेंसी रचने जा रही है इतिहास

21वीं शताब्दी का यह दशक भारत के लिए कई नई संभावनाओं के रास्तों को खोल रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और स्पेस ये दो क्षेत्र ऐसे हैं, जहां भारत ने अगर दबदबा बना लिया तो अपना देश दोबारा वैश्विक और आर्थिक स्तर पर अपनी संप्रभुता को कायम कर सकता है। देश इस साल अपनी आजादी के 77 साल पूरे करने जा रहा है। वैश्विक, आर्थिक और स्पेस कॉलोनाइजिंग और एस्टेरॉयड माइनिंग की दिशा में अमेरिका, रूस, चीन और अपना देश भारत कई अंतरिक्ष मिशन्स भेज रहे हैं। स्पेस कॉलोनाइजेशन, एस्टेरॉयड माइनिंग के साथ-साथ स्पेस टूरिज्म की दिशा में कई नए आयाम खुलने वाले हैं। इस कारण स्पेस लॉजिस्टिक, सैटेलाइट और ह्यूमन लॉन्चिंग के क्षेत्र में अरबों डॉलर्स का बड़ा बाजार भविष्य में आकार लेने वाला है। जाएगी। इनके सफल होने के बाद तीसरी फ्लाइट में भारत के एस्ट्रोनॉमर्स को स्पेस के लो अर्थ ऑर्बिट (400 किलोमीटर) में 3 दिनों के लिए भेजा जाएगा। अगर ये मिशन सफल होता है, तो भारत के लिए ये एक बड़ी कामयाबी होगी। इससे भविष्य में सस्ते और दूसरे नए मैन्ड मिशन की रूपरेखा तैयार करने में मदद मिलेगी। इससे स्पेस की दुनिया में भारत की दावेदारी जंग का एक नया मैदान बनने वाला है। इस कारण आपको स्पेस की कुछ स्ट्रैटजिक लोकेशन्स के बारे में जानना बहुत जरूरी है। स्पेस में ये लोकेशन्स इतनी महत्वपूर्ण हैं कि यहां से किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को गिराया जा सकता है। इसमें पहली स्ट्रैटेजिक लोकेशन धरती के तीनों ऑर्बिट जोन्स हैं। इसमें लो अर्थ ऑर्बिट, मिडिल अर्थ ऑर्बिट और जियो स्टेशनरी ऑर्बिट साथ जरा भी छेड़छाड़ करता है। ऐसे में हमारे देश का कम्यूनिकेशन नेटवर्क और इकोनॉमी तबाह हो सकती। इन्हीं खतरों से सैटेलाइट की सुरक्षा करने के लिए भारत का खुद का अंतरिक्ष स्टेशन समय की मांग बन चुका है। इसको लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं जिसे साल 2035 तक पूरा कर लिया जाएगा। स्पेस में दूसरी सबसे स्ट्रैटजिक लोकेशन चंद्रमा है। चांद पर ऐसे है। यही नहीं, हिलियम 3 का उपयोग भविष्य में एडवांस रॉकेट के प्रॉपल्जन सिस्टम में ईंधन के रूप में भी किया जा सकता है। आप यह जानकर हैरान हो जाएंगे कि जहां आज की करंट टेकनेलॉजी की मदद से हमें मंगल ग्रह तक जाने में महीनों का समय लगता है। वहीं हिलियम 3 फ्यूजन रॉकेट की मदद से महज कुछ दिनों में मंगल ग्रह तक का सफर पूरा किया जा सकता है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं है कि हीलियम 3 स्पेस में लंबी दूरी के मैन्ड मिशन्स के रास्तों को खोल देगा। इसकी मदद से बेहद कम खर्च में एस्ट्रोनॉट को आसानी से जुपिटर, सैटर्न के यूरोपा और टाइटन जैसे महत्वपूर्ण चंद्र मिशनों पर बेहद कम समय में भेजा जा सकेगा। हालांकि, आज की हमारी करंट टैकनेलॉजी के जरिए हिलियम थ्री को एक्स्ट्रैक्ट करना काफी मुश्किल काम है। हालांकि, आने वाले वक्तों में जो देश इसको क्रैक कर लेता है, उसके लिए अंतरिक्ष की दौड़ में आगे बने रहने के लिए कई नए आयाम खुल जाएंगे। चांद के दक्षिणी ध्रुव पर मौजूद वॉटर आइस और हिलियम थ्री के जरिए कई देश उन एस्टेरॉयड पर डीपर स्पेस मिशन भेज सकेंगे, जो अपने भीतर ट्रिलियंस ऑफ डॉलर की वर्थ को छुपाकर रखे हैं। अर्थात चांद पर जिस देश का भी वर्चस्व होता है उसके पास ट्रिलियंस ऑफ डॉलर के खजाने को पाने के रास्ते खुल जाएंगे। आप में से जिस किसी ने भी अवतार फिल्म देखी है। उसमें आपने देखा होगा कि हमारी धरती से एक मिशन पेंडोरा नाम के मून पर जाता है। वहां ये मिशन यूनोबटेनियम नाम के एक बेहद ही रेयर अर्थ रिसोर्स की खोज करता है। इस एक किलो यूनोबटेनियम की कीमत धरती पर करीब 20 मिलियन डॉलर होती है। खैर ये तो फिल्म की कहानी थी लेकिन आने वाले भविष्य में इस तरह के जो डीपर स्पेस मिशन्स संसाधनों की खोज में दूसरे एस्टेरॉयड पर निकलेंगे। चांद इन सभी मिशनों के लिए लॉन्चिंग पैड के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा। सब से महत्वपूर्ण बात यह है कि मून से रॉकेट को लॉन्च करना धरती की तुलना में काफी ज्यादा कॉस्ट इफेक्टिव है क्योंकि चांद का गुरुत्वाकर्षण काफी कम है। कम ग्रैविटी होने के कारण वहां से रॉकेट को लॉन्च करने में काफी कम खर्च आएगा और रॉकेटों में ईंधन की सप्लाई भी वहीं से होगी। भारत ने हाल ही में आर्टेमिस अकोर्ड पर साइन किया है। ये भारत का एक स्ट्रैटेजिक निणन्य था। इससे हमें आने वाले भविष्य में नासा और दूसरी स्पेस एजेंसियों के सहयोग से ऐसी तकनीक और स्पेस से जुड़े उपकरण मिलेंगे।

राजनीतिक दृष्टि से हमारी आजादी के 77 सालों का ये सफर काफी उतार-चढ़ाव से भरा रहा। हालांकि, 21वीं शताब्दी का यह दशक भारत के लिए कई नई संभावनाओं के रास्तों को खोल रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और स्पेस ये दो क्षेत्र ऐसे हैं, जहां भारत ने अगर दबदबा बना लिया तो देश दोबारा वैश्विक और आर्थिक स्तर पर अपनी संप्रभुता को कायम कर सकता है दरअसल, आने वाले दशक में इन दोनों सेक्टर्स के ईर्द-गिर्द ट्रिलियंस ऑफ डॉलर की इकोनॉमी घूमेगी। खासकर स्पेस सेक्टर की बात करें तो कुछ सालों में इसकी हिस्सेदारी वैश्विक अर्थव्यवस्था में काफी बड़ी होने वाली है। इस कारण स्पेस में जिस देश का प्रभुत्व होगा वह जियो पॉलिटिक्स से लेकर नए वर्ल्ड ऑर्डर को शेप करने में एक बहुत बड़ी भूमिका निभाने वाला है।जाहिर है ये बात अमेरिका, चीन, रूस के साथ-साथ भारत को भी पता है जिसके चलते कैसे स्पेस के प्रमुख स्ट्रैटेजिक जगहों पर पहले पहुंचकर अपना दबदबा बनाया जा सकता है? ये देश इसे लेकर तैयार हैं। चांद पर नए संसाधनों की खोज से लेकर भविष्य की इस नब्ज को पकड़ते हुए आज स्पेसएक्स, इसरो, वर्जिन एनालिटिका, नासा जैसी कई स्पेस एजेंसियां और निजी कंपनियां इस बाजार में अपनी दावेदारी बढ़ाने के लिए रॉकेट मैन्युफैक्चरिंग और अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में अरबों डॉलर्स का निवेश कर रही है।तकनीकी और अंतरिक्ष कार्यक्रम के विस्तार में भारत भी पीछे नहीं है। इसी को देखते हुए इसरो भारत का पहला मानवयुक्त गगनयान मिशन अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी में है। इसे अगले साल लॉन्च किया जा सकता है। अब तक स्पेस में इंसानों को भेजने में केवल तीन देश (अमेरिका, रूस और चीन) ही सफल हो पाए हैं। अगर गगनयान मिशन कामयाब होता है। इस स्थिति में भारत का नाम भी इन तीन देशों की फेहरिस्त में शामिल हो जाएगा।गगनयान मिशन के अंतर्गत भारत के एस्ट्रोनॉमर्स ने रूस के गगारियन कॉस्मोनॉट ट्रेनिंग सेंटर में अपना प्रशिक्षण पूरा किया है। इस मिशन के तहत कुल 3 फ्लाइट की जाएंगी। इनमें पहली 2 एबोर्ट फ्लाइट होंगी। इनमें मिशन के सेफ्टी मेजरमेंट, ट्रेजेक्टरी परफॉर्मेंस आदि चीजों की जांच की और भी ज्यादा मजबूत होगी।मिशन के सफल होने के बाद भारत ग्लोबल स्पेस स्टेशन के साथ मिलकर अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में कई साइंटिफिक एक्सपेरिमेंट को परफॉर्म कर सकेगा। इसके अलावा दूसरे देशों के साथ हमारे सहयोग और रिश्ते भी बेहतर होने लगेंगे। यही नहीं इस मिशन की सफलता भारत के लिए जियो पॉलिटिक्स और इंटरनेशनल रिलेशन के क्षेत्र में कई नए रास्तों का खोलने का काम करेगी।गगनयान मिशन की सफलता के बाद इसरो भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन का बेसिक मॉडल साल 2028 तक धरती के ऑर्बिट में सेट करने की योजना बना रहा है। इस स्पेस स्टेशन को पूरा बनाने का लक्षय साल 2035 तक रखा गया है। गगनयान मिशन और भारत का खुद का स्पेस स्टेशन स्ट्रैटजिक रूप से काफी जरूरी है। इसके पीछे के दो सबसे बड़े कारण हैं। आइए सिलसिलेवार ढंग से जानते हैं - नाटो ने स्पेस को ऑपरेशनल डोमेन किया घोषित साल 2019 में नाटो ने स्पेस को एक ऑपरेशनल डोमेन घोषित किया। नाटो का यह फैसला स्पष्ट संकेत है कि आने वाले समय में स्पेस, शामिल है। इन तीनों ऑर्बिट में सैटेलाइट को उनकी जरूरतों को देखकर इंस्टॉल किया जाता है। यही सैटेलाइट दुनियाभर में इंटरनेट, कम्यूनिकेशन, जीपीएस, अर्थ की ऑब्जर्वेशन, वेदर फॉरकास्टिंग से लेकर स्पाई और सर्विलांस करने के लिए इस्तेमाल में आ रही है। विश्व के कई देश इन सैटेलाइट कम्यूनिकेशन नेटवर्क पर आश्रित हैं और हमारा इंडिया भी इनमें से एक है। आज के समय कई जरूरी समुद्री मार्ग जैसे स्ट्रेट ऑफ हॉर्मूज, मलक्का स्ट्रेट, स्वेज कैनाल वैश्विक अर्थव्यवस्था को गति देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ठीक इसी तरह धरती के ऑर्बिट जोन्स में मौजूद ये सैटेलाइटें भी वैश्विक अर्थव्यवस्था को रफ्तार दे रही हैं। ऐसे में स्ट्रैट ऑफ हार्मूज, मलक्का स्ट्रेट, स्वेज कैनाल की तरह ही धरती का ऑर्बाइटल जोन भी काफी स्ट्रैटेजिक है। स्पेस में जिस तेजी से अमेरिका, चीन और रूस की मौजूदगी बढ़ रही है उससे हमारे सैटेलाइट नेटवर्क पर भी थ्रेट्स आ रहे हैं। कल को अगर युद्ध या किसी जियोपॉलिटिकल एजेंडा को पूरा करने के लिए कोई देश हमारे सेटेलाइट नेटवर्क के बेशकीमती संसाधनों का भंडार है, जिस पर अगर किसी भी देश का हाथ लग गया, तो उसकी बादशाहत को कोई नहीं रोक सकता है। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर बड़ी मात्रा में क्रिस्टल वॉटर आइस है, जिसके बारे में चंद्रयान वन के इम्पैक्ट लैंडिंग के जरिए पता चला था। भविष्य में इस क्रिस्टल वॉटर आइस को आसानी से हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में तोड़कर चांद पर बनी कॉलोनीज में सांस लेने के लिए ऑक्सीजन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। यही नहीं चांद के क्रिस्टालाइज वॉटर का इस्तेमाल डीप स्पेस मिशन्स के लिए रॉकेट फ्यूल बनाने में भी किया जा सकता है। चांद पर दूसरा सबसे कीमती संसाधन हीलियम 3 है। हीलियम 3 स्पेस रेस के पूरे डाइनामिक्स को बदल के रख देगा। हिलियम 3 नॉन रेडियो एक्टिव क्लीन एनर्जी का एक बहुत बड़ा स्रोत है। हिलियम 3 के न्यूक्लियर एनर्जी का इस्तेमाल करने पर किसी भी तरह का रेडियोएक्टिव वेस्ट नहीं निकलता है। चांद पर इतनी ज्यादा मात्रा में हीलियम 3 है कि इसकी मदद से पृथ्वी की दस हजार सालों की ऊर्जा जरूरतों को पूरा किया जा सकता

वैश्विक मंच पर तकनीक को शक्ति बनाकर आगे बढ़ता भारत

टेकनॅलॉजी सभ्यता को बदलने का माद्दा रखती है। बीते 5 दशकों ने तकनीक ने पूरी दुनिया की तस्वीर बदलकर रख दी है। विकासशील और पिछड़े देशों को प्रगति की ओर बढ़ाने में तकनीकी योगदान सबसे बड़ा है।भारत अपनी आजादी के 75 साल के सफर के बाद आज जितना शक्ति सम्पनन् और समृद्ध हुआ है उसमें तकनीक का विशेष योगदान है। अगर पूछा जाए कि आजादी क्या है? तो शायद हो सकता है कि हर कोई इसका जवाब अपने-अपने हिसाब से दे। जेल में बंद कैदी के लिए वहां से निकलना आजादी है तो नौकरी करने वाले कर्मचारी के लिए छुट्टियों पर जाना आजादी हो सकता है। ठीक ऐसे ही भारत देश ने भी 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों से आजादी पाई थी। कई सालों तक हम गुलामी की जंजीरों में रहे, लेकिन 1947 में हमें आजादी मिली। देखा जाए तो तब से लेकर अबतक देश ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा क्योंकि आज के समय में हम लगभग हर तरह से सक्षम बन चुके हैं। जैसे- तकनीक। दरअसल, अगर आप देखेंगे तो पाएंगे कि तकनीक आजाद भारत को नया आयाम देती हुई नजर आ रही है। भारत टेलीकॉम, आईटी जैसे सेक्टर में काफी आगे निकल चुका है और खासतौर पर बात अगर आईटी सेक्टर की करें तो इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारत का इस क्षेत्र में दबादबा है।यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस यानी यूपीआई जिसे नेशनल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया संचालित करती है। या फिर मॉल से कोई सामान खरीदना हो आप आराम से यूपीआई कर सकते है।यूपीआई से पेमेंट आप सिर्फ अपने देश में ही नहीं बल्कि विदेश में तक कर सकते है। भारत का यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस अब ग्लोबल होने की तरफ बढ़ चुका है। इसका जीता जागता उदाहरण है फ्रांस, सिंगापुर, यूएई, नेपाल, भूटान, श्रीलंका और मॉरिशस। इन देशों में आप यूपीआई सिस्टम का इस्तेमाल कर सकते हैं। यूपीआई कैसे भारतीय लोगों को पसंद आने लगा है इसे आप एक आंकड़े से समझ सकते हैं। दिसंबर 2023 में यूपीआई से 18.23 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड लेन-देन हुआ था, जो साल 2022 की समान अवधि की तुलना से 54 फीसदी अधिक था।वो समय तो आपको याद होगा जब एक कॉल करने के लिए लंबी-लंबी लाइनें लगानी पड़ती थी और कॉल का शुल्क इतना ज्यादा होता था कि हर कोई कॉल भी नहीं कर पाता था। वहीं, अगर जिसके घर में लैंडलाइन होता था उसे उस समय का अमीर व्यक्ति माना जाता था। इसके बाद आजाद भारत ने तकनीक की सीढ़ियां चढ़ी और आज हम लैंडलाइन से होते हुए मोबाइल ही नहीं बल्कि स्मार्टफोन पर आ चुके हैं। साल 2016 में इसकी शुरुआत हुई जिसने पैसों के लेन-देन को ऑनलाइन माध्यम से बेहद आसान बना दिया। आज आप देखेंगे तो लगभग हर दूसरा व्यक्ति यूपीआई का इस्तेमाल करता हुआ नजर आ जाएगा। जहां पहले लोग कैश से पेमेंट करते थे, वहीं आजाद भारत में यूपीआई का इस्तेमाल काफी ज्यादा होता है। एक रुपये की चीज लेनी हो या फिर हजारों या इससे ज्यादा की लोग ऑनलाइन पेमेंट पर भरोसा ज्यादा करते हुए नजर आते हैं। जाहिर है इससे कैश रखने की समस्या तो लगभग खत्म हो चुकी है क्योंकि ई-रिक्शे में कहीं जाना हो

भारतीय संस्कृति से झांकती जीवंत साहित्य और जीवन दर्शन की परंपरा

भारत दुनिया में दूसरा वह देश है जहां करीब 780 विभिनन् भाषाएं बोली जाती हैं। कला का संवाद इतना मजबूत है की भाषा कोई भी हो सभी राज्यों को जोड़ देता है बनता है। भारतीय कलाओं का इतिहास कहा जाता है कि जब से है सबसे जीवन है तब से नृत्य संगीत चित्रकला इस पृथ्वी पर है ऐसा कहा और सुना ही नहीं जाता भाषाएं बोली जाती हैं। कला का संवाद इतना मजबूत है की भाषा कोई भी हो सभी राज्यों को जोड़ देता है क्योंकि नवरस के आधार पर मनुष्य समझ ही जाता है, फिर को नहीं गड़ा। उन्होंने भी किया नवीनीकरण पर वह नवीनीकरण दर्शकों को कला के आनंद को देना था वह नवीनीकरण था भारतीय कला का प्रसार-प्रचार करने का पहचान है कहा जाता है की संस्कृत हमारी सभी भाषाओं की जननी है पर विलुप्त हो रही है। संस्कृत व भाषा है जिसके बिना भारतीय भाषाओं का इतिहास

क्योंकि नवरस के आधार पर मनुष्य समझ ही जाता है, फिर इस बात के साक्षी है हमारी पौराणिक गाथाएं हैं।संस्कृति शब्द का अर्थ ही सम्यक कृति यह शब्द आभास देता है एकता की भावना की अगर बात भारतीय संस्कृति की हो तो यह विश्व की प्राचीनतम संस्कृतियों में से एक है यह उतनी ही प्राचीन है जितना रोम, मिश्र चीन इत्यादि किसी भी देश के लिए किसी भी व्यक्ति के लिए वह धरोहर है जिसे जानकर उसे आत्मसम्मान और पहचान मिलती है यह एक दिन में बनने वाला शब्द नहीं है यह इतिहास है जो हजारों सालों में इनके साक्षय भी हमारे समक्ष है कलाओं के शास्त्र जिसे भरत मुनि द्वारा रचित किया गया जिसे पंचम वेद भी कहा जाता है आज से 2000 साल पहले लिखा गया इसमें कला का इतिहास जग जाहिर है फिर बात हड़प्पा की खुदाई में पाई जाने वाली नृत्य की मुद्रा में में पाई जाने वाली मूर्ति हो या दक्षिण के मंदिरों में पाई जाने वाली वह मूर्तियां जिनमे नृत्य एवं नृत्य शास्त्र से संबधित नृत्य मुद्रा में पाई जाने वाली मूर्तियां हो,हजारों साल पहले हमें वह साक्षय देखने को मिलते हैं इनमें अलंकित है। भारत दुनिया में दूसरा वह देश है जहां करीब 780 विभिनन् इस बात के साक्षी है हमारी पौराणिक गाथाएं हैं वह किसी भी भाषा में कह गए हो किसी भी राज्य से आए हो पर सभी उनसे अवगत है।भारतीय कलाओं का नवीनीकरण कला में नवीनीकरण अनिवार्य पर यह शर्त है कि कला की आत्मा पर प्रहार ना हो आजकल आधुनिकता के रंग में लोक एवं शास्त्र दोनों ही स्वरूप बदल चुके हैं सोचने वाली बात यह है क्या उस्ताद जाकिर हुसैन, पंडित बिरजू, महाराज पंडित, राजन साजन, जिन दिग्गज कलाकारों को आज के समय में हम देखते हैं और सुन सकते हैं क्या उन्होंने कला के नवीनीकरण उसके सौंदर्य बोध को निखारने का ना कि उनके अस्तित्व पर प्रहार करने का देखा जाता है की लोकगीत, सूफी एक फ्यूजन बन चुके हैं कथक में कहानी का अस्तित्व द्रुत लय की लयकारी ने ले लिया है। समझने की बात यह है कि कला का अर्थ सिर्फ दर्शकों की ताली या अब इंटरनेट पर उपलब्ध फॉलोअर्स से नहीं वह हमारी कहानी है हमारी परंपरा है उसका नवीनीकरण उतना ही सहज रखें जिसमें कला की आत्मा समाप्त न हो। भारत और भारतीयता का अर्थ सनातन सत्ता हमारी संस्कृति हमारी लिखा ही नहीं जा सकता संस्कृत वैदिक भाषा है इसीलिए इसे देव भाषा भी कहा जाता है परंतु सभी भाषाओं को समृद्धि देते देते यात्रा में संस्कृत का अपना अस्तित्व ही विलुप्त हो गया। अब हम हिंदी भाषी हैं, पर हिंदी भी कमतर समझी जाती है भारतीय संस्कृति, भाषा को सहेजना एक राष्ट्रीय चुनौती है। भारतीय संस्कृति में जीवंत साहित्य है, जीवन दर्शन है, आयुर्वेद है, वीर गाथा है उन्हें इस स्वरूप में समझाना और जानना जीवन के सौंदर्य को बढ़ाना है, यही भारत की गरिमा है।

ADHUNIK TUTORIALS

("FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT")

FOR CLASSES 1st-5th

(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

- Air conditioned well Furbished classrooms -
- Water cooler available -
- Hygienic washrooms -
- CCTV for safety purposes -
- In campus parking -

OUR TEAM

Dr.(Er)Puneet Arora (DIRECTOR)
(B.Tech, M.Tech, MBA, Ph.D)
Awarded with 'Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethony Convent School , Bishop Johnson School & College, Girls school & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the field of Web Development and Machine Learning.

Ms.Riya Arora (Counsellor)

- Ex. Student of Delhi Public School .
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad.

Contact
Call and Whatsapp: 8542919234

Address: B-Block ADA Colony, Mtek Campus (NITC) Naini Prayagraj.

जीएलबीआईएमआर कॉलेज में प्रबंधन कौशल पर विशेषज्ञ सत्र का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। निरंतर सीखने के लिए प्रतिबद्ध होना, भावनात्मक बुद्धि विकसित करना और चुनौतियों का सामना जरुरीः हिना धमीजा नोएडा स्थित जीएलबीआईएम आर कॉलेज में प्रबंधन कौशल पर विशेषज्ञ सत्र का आयोजन किया गया। कार्यशाला में रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड की कार्यकारी उपाध्यक्ष और एचआर प्रमुख हिना धमीजा ने भाग लिया। हिना धमीजा ने छात्रों को संबोधित करते हुए करियर की सफलता के लिए मजबूत संचार, समस्या-समाधान और समय प्रबंधन कौशल की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। सत्र 2024 से 26 पीजीडीएम बैच के छात्रों के साथ संवाद करते हुए उन्होंने संबंधित क्षेत्र की तकनीकी विशेषज्ञता, प्रभावी नेटवर्किंग और टीम में नेतृत्व या अच्छी तरह से काम करने की क्षमता पर ध्यान केंद्रित किया और कहा कि निरंतर सीखने के लिए प्रतिबद्ध होना, भावनात्मक बुद्धि विकसित करना और चुनौतियों का सामना करने में लचीला बने रहना दीर्घकालिक सफलता में और योगदान देता है।कॉलेज की निदेशक डॉ सपना राकेश ने हिना धमीजा का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया और छात्रों से कहा कि करियर की सफलता के लिए आवश्यक कौशल की क्षमता को बढ़ाएं।

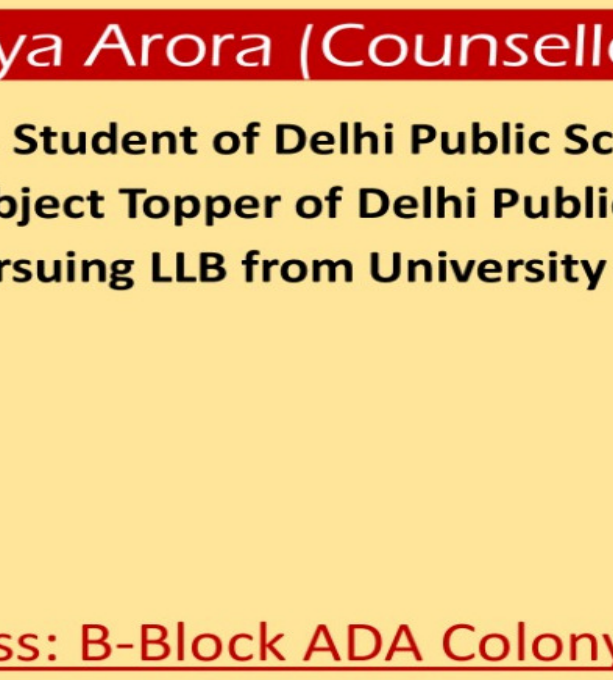

श्रमिकों की समस्याओं पर 14 अगस्त को नोएडा श्रम कार्यालय पर प्रदर्शन कर ज्ञापन देंगे सीटू कार्यकर्ता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। केंद्र सरकार की मजदूर विरोधी, किसान विरोधी, युवा-महिला- जन विरोधी व पूंजीपति हितैषी बजट के खिलाफ ट्रेड यूनियनों ने देशभर में 9 अगस्त 2024 से 14 अगस्त 2024 तक विरोध सप्ताह मनाने का आह्वान किया है। उक्त आह्वान के तहत सीटू जिला कमेटी गौतम बुध नगर के कार्यकर्ता जनपद में जगह-जगह बैठक, नुक्कड़ सभा, प्रदर्शन, जनसंपर्क पर्चा वितरण आदि कार्यक्रम कर रहे हैं आज भी मैसर्स वाइब्रो कास्टिक इंडिया लिमिटेड कंपनी फेस- 2, नोएडा सहित कई स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कर कामगारों से इस अभियान में जुड़ने और कार्यक्रम के समापन पर 14 अगस्त 2024 को श्रम कार्यालय सेक्टर- 3, नोएडा पर होने वाले विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की अपील किया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए सीटू जिला महासचिव रामसागर ने बताया कि सरकार ने बजट में जनता के इस्तेमाल किए जाने वाली रोजमर्रा

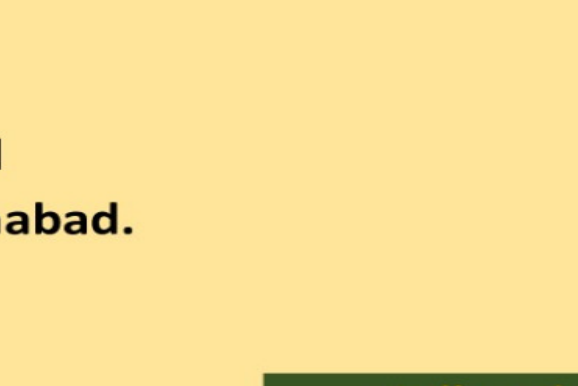

चीजों पर सब्सिडी को घटा दिया है इसका मतलब है कि नया बजट लागू होते ही रोजमर्रा की इस्तेमाल होने वाली चीजें जैसे- दाल, चावल, आटा, तेल, दूध, रसोई गैस, नमक, सब्जियां- फल और ज्यादा महंगे हो जाएंगे। सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि गौतम बुध नगर व एनसीआर क्षेत्र में मजदूरों के शोषण और उत्पीड़न करने में केंद्र व प्रदेश सरकार दोनों की भागीदारी है। 95ज़ मजदूरों को न्यूनतम वेतन नहीं मिलता है और उन्हें 12- 14 घंटे काम करने को बाध्य होना पड़ रहा है, मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा, ईएसआई, पीएफ, ग्रेजुएटी आदि नहीं दी जा रही है। उत्तर प्रदेश सरकार ने लंबे समय से मजदूर के वेतन में कोई बढ़ोतरी नहीं किया है। इसके विपरीत सरकार श्रम कानून में मजदूर विरोधी बदलाव कर कामगारों को पूंजीपतियों का गुलाम बनाने की प्रक्रिया चलाई जा रही है। उन्होंने मेहनतकश मजदूरों को केंद्र व प्रदेश सरकार की मजदूर विरोधी, किसान विरोधी, राष्ट्र विरोधी और जन विरोधी नीतियों के विरोध में व अपनी मांगों के समर्थन में 14 नवंबर 2024 को प्रातः 11:00 बजे लेबर ऑफिस सेक्टर- 3, नोएडा पर होने वाले प्रदर्शन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील किया।

छात्र नौजवान जागरूकता अभियान के तहत आज निठारी में छात्राओं और युवाओं को किया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा छात्र नौजवान जागरूकता अभियान के तहत सपा नोएडा महानगर पिछड़ा प्रकोष्ठ

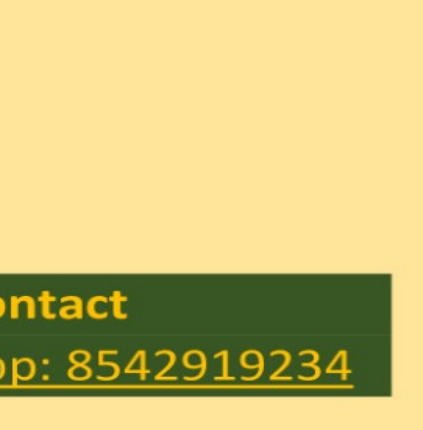

संगठन के द्वारा निठारी नोएडा सेक्टर 31 में सदस्यता अभियान चलाया गया जिसके तहत बहुत से छात्र, नौजवान को समाजवादी पार्टी से जोड़ने का काम किया गया। सपा नोएडा महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने कहा कि शहर के अंदर छात्र, नौजवान बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी से जुड़ रहे हैं । वह लोग अपना भविष्य समाजवादी पार्टी में ही देख पा रहे हैं। वर्तमान सरकार से वह पूरी तरीके से निराश है। प्रदेश सचिव सुनील चौधरी वह पूर्व महानगर अध्यक्ष रेशपाल अवाना ने कहा कि जागरूकता अभियान चला कर लगातार छात्रों व नौजवानों को जागरूक किया जा रहा है। जिसमें भारी संख्या में युवाओं ने समाजवादी पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर सपा की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम का संचालन महानगर महासचिव विकास यादव ने किया । कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में वीरपाल प्रधान, तुषार पाल ,लोकपाल, राणा मुखर्जी, ज्ञानेंद्र, केपी यादव, रामवीर यादव ,मनोज प्रजापति, सतबीर यादव ,जयदेव यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

बॉलीवुड/टेली मसाला

हार्दिक पांड्या को मिला नया प्यार नताशा से अलग होने के बाद इस सिंगर को डेट कर रहे क्रिकेटर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। नताशा स्टेनकोविक से अलग होने के बाद क्रिकेटर हार्दिक पांड्या का नाम एक ब्रिटिश सिंगर के साथ जोड़ा जा रहा है।

इस सिंगर का नाम जैस्मिन वालिया है। नताशा और हार्दिक ने एक महीने पहले ही अपने अलग होने की खबरों की पुष्टि की थी। दोनों का एक बेटा अगस्त्य ह दरअसल हार्दिक इन दिनों क्रिकेट से ब्रेक लेने के बाद ग्रीस में छुट्टियां मना रहे हैं। वहां से उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें वो एक स्विमिंग पूल के आगे खड़े दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो ने हार्दिक की डेटिंग की खबरों को फिर से हवा दे दी है दरअसल हार्दिक के वीडियो से दो दिन पहले जैस्मिन ने भी ग्रीस में छुट्टियां मनाने की तस्वीरें पोस्ट की थी। इनमें वो ठीक उसी स्विमिंग पूल के आगे खड़ी दिखाई दे रही थीं जिसके आगे हार्दिक खड़े थे। इस हिसाब से दोनों के बैकग्राउंड मैचिंग की वजह से फैंस इस बात का अंदाजा लगा रहे हैं कि दोनों के बीच कुछ चल रहा है वहीं जैस्मिन ने हार्दिक के वीडियो को लाइफ भी किया है। इसके अलावा हार्दिक ने उनकी बिकिनी वाली पोस्ट पर तो रिएक्ट नहीं किया लेकिन उसके पहले के कई पोस्ट लाइफ किए हैं। वहीं सोशल मीडिया यूजर्स भी तुरंत इस पर कमेंट करने लगे। एक ने जैस्मीन की बिकनी फोटो पर कमेंट किया,ठहार्दिक पंड्या और आप एक साथ हैं,नए लव बर्ड्स ग्रीस में आनंद ले रहे हैं।ठ एक अन्य यूजर ने मजाकिया अंदाज में पूछा, ठहार्दिक पंड्या कहां हैं?ठ जबकि तीसरे ने कमेंट किया,ठक्या आप हार्दिक पंड्या को डेट कर रही हैं हार्दिक पांड्या और नताशा ने साल 2020 में शादी की थी और 2021 में उनके बेटे अगस्त्य का जन्म हुआ। हालांकि जुलाई 2024 में दोनों ने एक ज्वाइंट स्टेटमेंट जारी करके अलग होने का फैसला किया। उन्होंने ये भी बताया कि वे अपने बेटे अगस्त्य की को-पेरेंटिंग करेंगे।

क्रांति' के लिए क्रांति कर गए थे मनोज कुमार, सलमान खान का खुलासा सलीम-जावेद से छीना गया था क्रेडिट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सलीम खान और जावेद अख्तर की सुपरहिट जोड़ी 37 साल बाद वापस आ रही है। सलमान खान और फरहान अख्तर अपने-अपने पिता की दोस्ती, करियर में संघर्ष, इंडस्ट्री में पहचान बनाने के लिए संघर्ष करना और इनकी दोस्ती में आई दरार को 'एंग्री यंग मेन' सीरीज में दिखाएंगे। मंगलवार को सीरीज का ट्रेलर लॉन्च किया गया। इस दौरान सलीम-जावेद को लेकर सलमान खान ने कई बातें की।साल 1970 में सलीम-जावेद बॉलीवुड में 'एंग्री यंह मेन' हीरो को लेकर आए। वो समय जब रोमांटिक फिल्मों का दौर बढ़ रहा था, तब सलीम-जावेद ने 'एंग्री यंग मेन' के कॉन्सेप्ट को लोगों के सामने रखा। इसी के साथ बॉलीवुड का फॉर्मूला पूरी तरह से बदल कर रख दिया। एंग्री यंग मेन सीरीज में ये सब दिखाया जाएगा। ट्रेलर लॉन्च के दौरान सलमान खान ने बताया कि कैसे मनोज कुमार ने सलीम-जावेद से फिल्म 1981 में रिलीज हुई 'क्रांति' के राइटर क्रेडिट छीन लिए थे। बॉलीवुड के इतिहास के पननें में सलीम-जावेद का नाम हमेशा याद किया जाता रहा है और आगे भी याद किया जाएगा। दोनों ने मिलकर कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों की स्क्रीन राइटिंग का निर्माण किया। हाल ही में एंग्री यंग मेन सीरीज का ट्रेलर लॉन्च किया गया जिसमें दोनों का इंडस्ट्री में संघर्ष भरा सफर और सफलता मिलने के बाद का सफर दिखाया जाएगा। सलमान खान ने कहा, 'मनोज कुमार जी ने सलीम-जावेद से क्रेडिट छीन लिया था। उन्होंने (मनोज कुमार) ने कहा कि फिल्म के स्क्रिप्ट राइटर वह हैं।' इसी के साथ सलमान ने 'क्रांति' की स्क्रिप्ट की तारीफ करते हुए इसे 'चना जोर गरम' कहा। बता दें कि 'चना जोर गरम' क्रांति फिल्म के एक गाने का टाइटल है। ट्रेलर लॉन्च के दौरान सलमान खान ने बताया कि सलीम-जावेद ने अपनी जिंदगी के अनुभवों से प्रेरणा ली है। वह जो भी सीखते, उसे पर्दे पर उतार देते। एक्टर ने कहा, 'उन्हों ने अपने जीवन से कहानियों की प्रेरणा ली और उसे अपने सिनेमा में डाल दिया। बाकी के राइटर्स ने जो किया, वह यह था कि सिनेमा से उठाकर सिनेमा में डाला।' अगर बात फिल्म क्रांति के पोस्टर की करें, तो इसके डायलॉग का क्रेडिट मनोज कुमार ले गए थे। जबकि, कहानी और स्क्रिप्ट का क्रेडिट सलीम-जावेद को दिया गया था। 'एंग्री यंग मेन' सीरीज 20 अगस्त से अमेजन प्राइम प्लेटफॉर्म पर दिखाई जाएगी।

यश चोपड़ा के सम्मान में ऑस्ट्रेलिया की संसद में रानी मुखर्जी ने जारी किया डाक टिकट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। 13 अगस्त को 15वें इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2024 के आयोजन से पहले एक भव्य समारोह ऑस्ट्रेलिया के संसद भवन में हुआ, जिसमें रानी मुखर्जी ने दिग्गज फिल्म निर्माता स्वर्गीय यश चोपड़ा के सम्मान में एक स्मारक डाक टिकट लॉन्च किया। रानी मुखर्जी ने अपनी खुशी और उत्साह साझा करते हुए कहा कि वह इस तरह के महत्वपूर्ण अवसर का हिस्सा बनकर वास्तव में सम्मानित महसूस कर रही हैं। भारतीय फिल्म महोत्सव मेलबर्न से पहले हुए इस खास इवेंट में रानी मुखर्जी के साथ करण जौहर भी मौजूद रहे, जिन्होंने संसद में दिए भाषण से दिल जीते लिये थे। यश चोपड़ा इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न के पहले संरक्षक भी थे। फिल्म समारोह 15 अगस्त से शुरू होगा और 25 अगस्त तक चलेगा। रानी मुखर्जी ने मनाया जशन रानी मुखर्जी ने इस ऐतिहासिक मौके पर कहा, ये न केवल यश चोपड़ा और वाईआरएफ की दुनिया भर में पॉप संस्कृति को आकार देने की समृद्ध और प्रभावशाली 50 साल पुरानी विरासत का जशन है, बल्कि भारतीय फिल्म उद्योग का भी जशन है, जिसने सिनेमा की शक्ति के माध्यम से अनगिनत लोगों का मनोरंजन किया है।मुझे इस महोत्सव को साल दर साल मजबूत होते हुए और भारत और ऑस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ रचनात्मक दिमागों को जोड़ने वाले पुल के रूप में काम करते हुए देखकर गर्व होता है।

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने कन्यादान को लेकर किया खुलासा, अजान और मंत्र रस्म का बताया खास कनेक्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने दो महीने पहले यानी 23 जून को अपने लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रेंड जहीर इकबाल संग बेहद सादगी से शादी रचाई थी। इस कपल की शादी को लेकर सोशल मीडिया पर काफी विवाद भी हुआ था। सोशल मीडिया यूजर्स ने सिन्हा परिवार को काफी ट्रोल भी किया था, लेकिन इस कपल को दुनिया की बातों का कोई फर्क नहीं पड़ा। अब एक इंटरव्यू में सोनाक्षी और जहीर ने शादी का बेहद स्पेशल मोमेंट शेयर किया है।गैलाटा इंडिया को दिए इंटरव्यू में इस कपल ने साझा किया कि वे दोनों अपनी शादी के दिन के सबसे जादुई पल पर सहमत हुए।

जहीर ने कहा, ''मुझे लगता है कि यह मेरी जिंदगी का सबसे अच्छा पल रहा और यह बहुत खूबसूरत था। कन्यादान में 15 मिनट की देरी हो गई थी और जब हम बैठे, तो मैंने सोनाक्षी का हाथ पकड़ लिया, और हम प्रार्थना कर रहे थे। आगे उन्होंने बताया की अचानक सोना ने कहा, 'क्या आप सुन सकते हैं?' मैंने पूछा, 'क्या?' उसने जवाब दिया, 'अजान चालू है और यह बहुत खूबसूरत पल था। जब हमारी शादी हो रही थी तो पंडित प्रार्थना कर रहे थे, मंत्र पढ़ रहे थे और इस बीच अजान भी हो रही थी। बीते दिनों सोनाक्षी ने बताया था कि उन्होंने अपनी शादी के आउटफिट को चूज करने में महज पांच मिनट का वक्त लगा था। ''मैंने और जहीर ने अपनी शादी के आउटफिट को चुनने में मात्र पांच मिनट लिए थे। हमने उन पांच मिनट में सोच लिया था कि क्या पहनना है। मैं बहुत क्लियर थी कि मुझे लाल साड़ी पहननी है। मैं अपनी मां की साड़ी और उनके ज्वेलरी पहनना चाहती थी, जो मैंने किया। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने शादी से पहले पूरे 7 साल तक एक दूसरे को डेट किया था, जिसकी खबर इस कपल ने किसी को नहीं होने दी। सोशल मीडिया पर यूं तो दोनों एक-दूजे संग फोटो शेयर करते थे, लेकिन कभी अपने प्यार की पुष्टि नहीं की थी।

श्रद्धा की 'स्त्री 2' ने रिलीज के पहले ही गाड़े झंडे, दूसरे दिन डबल हुई कमाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'स्त्री 2' की एडवांस बुकिंग में जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है। दूसरे दिन की एडवांस बुकिंग में फिल्म ने दोगुनी कमाई की है। 'स्त्री 2' रिलीज के करीब है। ऐसे में दर्शकों के बीच फिल्म के लिए जबरदस्त क्रेज बना हुआ है और इसका फायदा एडवांस बुकिंग की रिपोर्ट में साफ झलक रहा है पहले दिन फिल्म की एडवांस बुकिंग से लगभग 4 करोड़ रुपये की कमाई हुई थी, जबकि दूसरे दिन ये आंकड़ा अब दोगुना हो गया। दूसरे दिन फिल्म के करीब 3 लाख टिकट बेचे गए, जिससे साफ पता चलता है कि दर्शकों के बीच इस फिल्म को लेकर बज बना हुआ है।'स्त्री 2' की एडवांस बुकिंग के लिए हाल ही में टिकट विंडो ओपन हुई है। इसके साथ ही ओपनिंग डे के लिए फिल्म ने महज दो दिनों में करोड़ों में कमाई कर ली है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, 'स्त्री 2' ने दूसरे दिन शानदार बिजनेस करते हुए 8.78 करोड़ रुपये की कमाई की है, जो पहले दिन की कमाई के मुकाबले दोगुनी है। इसके साथ ही फिल्म ने 2.9 लाख (295122) टिकटें बेची। रिपोर्ट के अनुसार, 'स्त्री 2' को 7981 स्क्रीन्स मिले हैं 'स्त्री 2' की स्टार कास्ट की बात करें, तो फिल्म में श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव एक बार लीड स्टार कास्ट में नजर आएंगे। इनके साथ पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी भी अपने पिछले किरदारों में वापसी की है। 'स्त्री 2' का निर्देशन अमर कौशिक ने किया है, जिन्होंने 'स्त्री' के साथ अपने निर्देशन की शुरुआत की थी। इस बार फिल्म में सिरकटे प्रेत की कहानी दिखाई जाएगी। 'स्त्री 2' इस साल 14 अगस्त को रिलीज होगी।

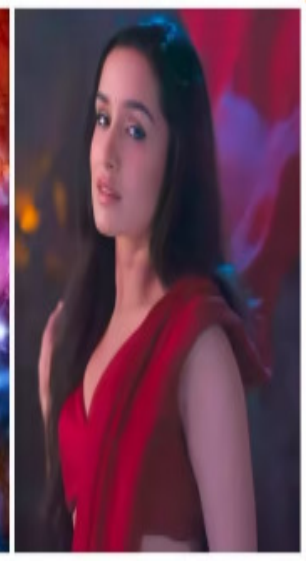

मेरे पास दो-दो मां हैं', एंग्री यंग मैन के ट्रेलर लॉन्च में सलमान खान ने कहीं ये बात, सलीम खान ने दिया ऐसा रिएक्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मंगलवार की शाम मुंबई में कई बड़े सितारों के नाम रही। आज सलीम खान और जावेद अख्तर की डॉक्यू-सीरीज़, एंग्री यंग मैन के ट्रेलर लॉन्च हुआ। इस खास मौके पर सलमान खान भी नजर आए। इसके अलावा फरहान अख्तर और जोया अख्तर भी शामिल हुए इस मौके पर सबने मिलकर काफी मोज मस्ती की। इस दौरान सलमान खान ने कुछ ऐसा बोल दिया, जिसे सुनने के बाद वहां मौजूद हर शख्स की चेहरे पर हंसी आ गई।बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान इन दिनों अपनी फिल्मों को लेकर सुखिर्यों में हैं। बीते दिनों उन्होंने अपनी आने वाली मूवी सिंकदर की शूटिंग शुरू की है। सोशल मीडिया पर सेट से कुच फोटोज भी वायरल हुई थी। फिल्म की शूटिंग के बीच अभिनेता मंगलवार को सलीम खान और जावेद अख्तर की डॉक्यू-सीरीज एंग्री यंग मैन के ट्रेलर लॉन्च में शामिल हुए। बॉलीवुड में जब-जब मशहूर राइटर्स की बात आती है तो सबसे पहले सलीम और जावेद की जोड़ी का ख्याल आता है। इस जोड़ी ने पर्दे पर कई फिल्मों के मशहूर डायलॉग्स लिखे है, जिसमें फिल्म 'दीवार', 'शोले' भी शामिल है। ऐसे में सलमान खान ने पिता की फिल्म 'दीवार' का आइकॉनिक डायलॉग ट्रेलर इवेंट में बोल डाला और वो भी अपने ही अंदाज में। सलमान से पूछा गया कि उन्हें इस बेहतरीन जोड़ी का सबसे फेमस डॉयलॉग कौन सा अच्छा लगता है तो उन्होंने बिना कुछ सोचे जवाब दिया, 'मेरे पास मां है वो भी दो-दो। ये सुन सलीम खान और जावेद अख्तर हंस पड़े। इस बीच फरहान का सलमा खान से शादी की और उनके चार बच्चे हुए - सलमान, अरबाज, सोहेल और अलवीरा। इसके बाद उनका दिल हेलेन पर आया और उन्होंने साल 1981 में हेलेन से शादी की। सलीम खान दोनों बीवीयों के साथ एक ही घर में रहते हैं। क्या है डॉक्यूमेंट्री की कहानी आपको बता दें, इस डॉक्यूमेंट्री सीरीज को सलमान खान, फरहान अख्तर, जोया अख्तर और रीमा कागती ने मिलकर तैयार किया है। ये सीरीज हिंदी सिनेमा के मशहूर लेखक जोड़ी सलिम-जावेद के जीवन को दर्शाने वाली है। ये 20 अगस्त को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

50 दिन पूरे करने के करीब है कल्कि 2898 एडी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अगस्त के महीने की शुरुआत बॉक्स ऑफिस पर काफी धीमी हुई है। इस महीने की 2 तारीख को अजय देवगन की फिल्म 'औरों में कहां दम था' और जाह्नवी कपूर की उलझ रिलीज हुई थी। प्रभास और दीपिका पादुकोण की कल्कि 2898 एडी और बैड न्यूज की दमदार कमाई के बाद फैंस को उम्मीद थी कि ये दोनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा बिजनेस करेंगी, लेकिन उनकी बॉक्स ऑफिस पर एक हफ्ते में ही हालत खस्ता हो गई।15 अगस्त को हर किसी को बेसब्री से इंतजार है क्योंकि इस दिन तीन बड़ी फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। हालांकि उससे पहले फिलहाल चार फिल्में औरों में कहां दम था उलझ बैड न्यूज और कल्कि 2898 एडी सिनेमाघरों में लगी हुई है और बॉक्स ऑफिस पर अपनी धाक जमाई हुई है। इन सभी फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर फिलहाल क्या हाल है चलिए देखते हैं- इस वक्त सिनेमाघरों में औरों में कहां दम था और उलझ के अलावा कल्कि 2898 एडी और बैड न्यूज भी लगी हुई हैं। इन सभी फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर फिलहाल कैसा है हाल चलिए देखते है आंकड़े- प्रभास-दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन स्टारर कल्कि 2898 एडी का खुमार न तो लोगों के सिर से उतर रहा है और न ही बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म हार मान रही है। अब तक कई बड़े रिकॉर्ड्स अपने नाम करने वाली कल्कि 2898 एडी अभी भी मजबूती के साथ सिनेमाघरों में टिकी हुई है। फिल्म को थिएटर में लगे हुए 47 दिन पूरे हो चुके हैं और जल्द ही 'गदर 2' का रिकॉर्ड तोड़ते हुए ये मूवी 50 दिन भी पूरे कर लेगी। सैकनलिक.कॉम की रिपोर्ट्स के मुताबिक, सोमवार को कल्कि ने तकरीबन हिंदी भाषा में 24 लाख का बिजनेस किया है। तेलुगु में फिल्म ने रिलीज के 47वें दिन 8 लाख का बिजनेस किया। इसके अलावा तमिल-तेलुगु और कनन्ड़ में भी फिल्म हर दिन 1-1 लाख का बिजनेस कर रही है। प्रभास की फिल्म की हिंदी में टोटल कमाई 292.54 करोड़, तमिल में 36.09, तेलुगु में 286.44, मलयालम में 24.19 और कनन्ड़ में 5.89 करोड़ तक पहुंच चुकी है। सभी भाषाओं में मिलाकर इंडियन बॉक्स ऑफिस पर मूवी की नेट कमाई 645.15 करोड़ तक हुई है, जबकि दुनियाभर में फिल्म ने 1040.9 करोड़ का बिजनेस किया है।

कृतिका मलिक को किस करने वाले वीडियो पर रणवीर शौरी ने तोड़ी चुप्पी, अरमान मलिक के बयान पर भी किया रिएक्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। 'बिग बॉस 3' में एक ऐसा पल आया जिसने सोशल मीडिया पर खूब हलचल मचाई। अभिनेता रणवीर शौरी का एक वीडियो वायरल हो गया, जिसमें वो कृतिका मलिक को किस करते हुए नजर आए थे। इस वीडियो ने फैंस और दर्शकों के बीच खूब चर्चा बटोरी, और इसे लेकर सोशल मीडिया पर भी तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिली थी। वहीं, अब इस पूरे मामले पर रणवीर शौरी ने रिएक्ट किया है। रणवीर शौरी ने 'बिग बॉस के टॉप 3 में अपनी जगह बनाई थी। वहीं, कृतिका पहले ही घर से बेघर हो गई थीं। जब शो कृतिका का एलिमिनेशन हुआ था उस दौरान रणवीर ने उन्हें गले लगाया था और किस किया था। इसी वीडियो के लेकर रणवीर ने खूब ट्रोल हुए थे। रणवीर शौरी ने हाल ही में सिद्धार्थ कानन के साथ बातचीत में किस वाले वायरल वीडियो पर बात की। जब बिग बॉस ओटीटी 3 के फिनाले में कृतिका मलिक के बाहर होने के बाद किस करने को लेकर सवाल किया गया, तो रणवीर शौरी ने पहले तो वीडियो पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। हालांकि, बाद में, जब उन्हें अरमान की प्रतिक्रिया के बारे में बताया गया, तो उन्होंने इसका समर्थन किया। रणवीर शौरी ने अरमान के बयान को लेकर कहा, हां सही बात है! वो दोनो मुझसे बहुत छोटे हैं। कृतिका और रणवीर के किस वाले वीडियो को लेकर अरमान मलिक ने अपने एक व्लॉग में बात की थी और इसे आम बात कहा। यूट्यूबर ने कहा, पहली बात तो आपके सोच और आंखे दोनो ही गलत है। वो इंसान, 52 साल का है, इतना सम्मान करते हैं। अपने बच्चों की तरह उसने मुझे और कृतिका को ट्रीट किया। जब कृतिका घर से जा रही थी, तब ये इंसान एकदम तेजी से उठके आया और कृतिका के गले लग रहा था।

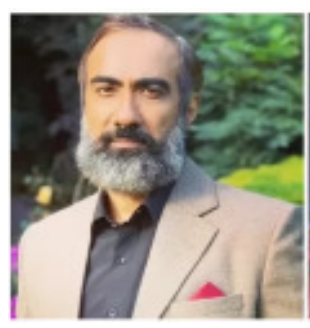

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।